आई.एस.ओ. 9001:2000 अवार्ड प्राप्त

नये जमाने के साथ

यश भारत

जबलपुर का नम्बर 1 अखबार यश भारत 16 वें वर्ष में प्रवेश

• वर्ष- 16 अंक 183- • जबलपुर • बुधवार, 3 अगस्त, 2022 • मूल्य- 2 रुपए • पृष्ठ-8 • श्रावण मास शुक्ल पक्ष-6 • विक्रम संवत् 2079 शके 1935

24 घंटे देखें यश भारत डिजिटल न्यूज़ चैनल

DIGIANA NEWS 91

hathway 598

UCN NEWS 81

जबलपुर नगर निगम के सहायक यंत्री के घर पर ईओडब्ल्यू का छापा

आलीशान घर, लग्जरी कारें और करोड़ों की संपत्ति उजागर

जबलपुर यश भारत।आर्थिक अन्वेषण ब्यूरो जबलपुर की टीम ने नगर निगम के सहायक यंत्री आदित्य शुक्ला घर पर छापामार कार्रवाई करते हुए अहम दस्तावेज जप्त किए हैं। टीम के पहुंचते ही शुक्ला के घर पर हड़कंप मच गया। सुबह अब तक की सर्च कार्रवाई में सहायक यंत्री के पास आलीशान घर, लग्जरी कारें, भूखंड सहित करोड़ों की संपत्ति का पता चला है।

ईओडब्ल्यू एसपी देवेंद्र प्रताप सिंह राजपूत ने बताया कि आय से अधिक मामले की शिकायत की जांच के बाद सुबह 6ः00 बजे ईओडब्ल्यू जबलपुर एवं सागर की टीम द्वारा नगर निगम के सहायक यंत्री आदित्य शुक्ला के घर पर सर्च कार्रवाई शुरू की गई है। अब तक की कार्रवाई में सहायक यंत्री शुक्ला के पास रतन नगर में 3900 वर्ग फीट का भूखंड, 15 वर्ग फीट पर बना आलीशान मकान, तीन लग्जरी वाहन, बैंक में जमा छह लाख 40 हजार रुपए का पता चला है। कार्रवाई जारी है।आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ को प्राप्त शिकायत का गोपनीय सत्यापन उप निरीक्षक विशाखा तिवारी प्रकोष्ठ इकाई , जबलपुर से कराया गया । गोपनीय सत्यापन में आये साक्ष्यों के आधार पर अपनी सेवा अवधि के दौरान सहायक यंत्री श्री शुक्ला को वैध स्त्रोतों से प्राप्त आय की तुलना में उनके द्वारा किये गये व्यय एवं अर्जित संपत्ति 203 प्रतिशत होना पाया गया । अतः धारा 13 (1) बी , 13 (2) भ्रनिअ . 1988 संशोधित अधिनियम , 2018 के अंतर्गत् अपराध क्रमांक –75 / 22 पंजीबद्ध कर विवेचना

में लिया गया । प्रकरण की विवेचना निरीक्षक स्वर्णजीत सिंह धामी , प्रकोष्ठ इकाई , जबलपुर के द्वारा की जा रही है । विवेचना के दौरान दिनांक 3/8 / 2022 को विधिवत् मान न्यायालय से सर्च वारंट प्राप्त कर प्रातः आरोपी के निवास स्थान रतन नगर , जबलपुर में प्रकोष्ठ इकाई , जबलपुर एवं सागर की संयुक्त टीम द्वारा सर्च कार्यवाही प्रारंभ की गई जो जारी है । अभी तक प्राप्त साक्ष्यानुसार आरोपी द्वारा निम्नलिखित संपत्ति अर्जित करना पाया FINA गया ः 1 2 3 4 +66 166 5 8 भू ङ्क खण्ड ए –16 , रतन नगर 3900 वर्ग फुट , उपरोक्त भू ङ्क खण्ड पर आलीशान भवन का निर्माण , पैतृक भू – खण्ड बी 43 रतन नगर (1500 वर्ग फुट) पर पुराने मकान को तोड़कर नवीन आलीशान मकान का निर्माण , किया करेंस कार , एमपी –20 सीएम 6574 , किया सेल्टास कार एमपी –20 सीएल 2490 , मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार एमपी –20 सीई 1682 , बुलेट मोटर साइकिल एमपी –20 एमजेड 6761 , स्कूटी सुजुकी एक्सेस एमीपी –20 एसयू 1437 बैंक में जमा राशि लगभग 6,40,000 / ङ्क रूपये । सर्च कार्यवाही में प्राप्त दस्तावेजों एवं साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के द्वारा अर्जित संपत्ति एवं व्यय का आकलन किया जाएगा । सर्च कार्यवाही निरीक्षक स्वर्णजीत सिंह धामी , निरीक्षक श्रीमति उमा नवल आर्य , निरीक्षक श्रीमति प्रेरणा पाण्डेय , उप निरीक्षक श्रीमति विशाखा तिवारी , उप निरीक्षक श्रीमति फरजाना परवीन , उप निरीक्षक गोविंद यादव एवं अन्य सदस्यों द्वारा की जा रही है ।

रेड के दौरान क्लर्क ने जहर पीया हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया

भोपाल,यशभारत। भोपाल में भी आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) का छापामारा है। भोपाल में मेडिकल डिपार्टमेंट में क्लर्क के घर EOW ने रेड की। भोपाल के बैरागढ़ में कार्रवाई के दौरान क्लर्क हीरो केसवानी ने जहर पी लिया। उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। क्लर्क सतपुड़ा भवन में पदस्थ है। आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर EOW ने कोर्ट से ऑर्डर लेने के बाद उसके घर छापा मारा है।

चीन ने ताइवान पर 6 तरफ से शुरू की बारूद की बारिश

नैंसी पेलोसी ने भी किया पलटवार, तनाव चरम पर

बीजिंग/ताइपे,एजेंसी। चीन की तमाम धमकियों को दरकिनार करते हुए अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के ताइवान पहुंचने पर ड्रैगन बुरी तरह से भड़क गया है और ताइवान की चारों तरफ घेरेबंदी कर दी है। चीन की सेना ने डराने के लिए अभ्यास के नाम पर ताइवान के चारों ओर 6 जगहों से मिसाइलों और गोला बारूद की बारिश शुरू कर दी है। चीन की सेना के पूर्वी थिएटर कमांड ने बुधवार अल सुबह से ही ज्वाइंट मिलिट्री ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इस बीच चीन की धमकियों से बेपरवाह नैंसी पेलोसी ताइवान की संसद पहुंच गई हैं। उन्होंने ताइवानी संसद में दिए अपने भाषण में तियामेन स्क्वायर नरसंहार का जिक्र करके चीन सरकार पर जोरदार हमला बोला है।

पेलोसी ने कहा किअमेरिका इस इलाके में शांति के लिए आया है और ताइवान का पूरा समर्थन करेगा। पेलोसी ने कहा कि ताइवान का अच्छा मित्र बताए जाने पर वह बहुत सम्मानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ताइवान आने के उनके तीन मुख्य उद्देश्य हैं। पहला है सुरक्षा, सुरक्षा हमारे लोगों के लिए वैश्विक सुरक्षा के लिए। दूसरा अर्थव्यवस्था जितना अधिक से अधिक हो सके समृद्धि का प्रसार है। और तीसरा सुशासन। उन्होंने कहा कि दोनों संसदों के बीच अब और ज्यादा संवाद होगा और इसके लिए विशेष तरीके निकाले जाएंगे।

पेलोसी उन तीन अमेरिकी अधिकारियों में शामिल हैं जिन्होंने चीनी की ओर से नरसंहार के बाद साल 1991 में तियेमान स्क्वायर का दौरा किया था। पेलोसी ने चीन के व्यापार में धौंस दिखाने और तकनीक के ट्रांसफर पर चिंता जताई। पेलोसी पिछले 25 साल में अमेरिका की ओर से आई सबसे शीर्ष अधिकारी हैं। इस बीच चीन की सेना पीएलए ने ताइवान के चारों ओर 6 जगहों से अपने लाइव फायर ड्रिल और टारगेटेड मिलिट्री ऑपरेशन को शुरू कर दिया है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इसकी जानकारी दी है।

तिरंगा बाइक रैली में विपक्ष का एक भी सांसद नहीं

भाजपा का बड़ा आरोप

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्र सरकार, भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर व्हर घर तिरंगाज अभियान की जोर-शोर से तैयारी कर रही है। आजादी का अमृत महोत्सवज के अंतर्गत सभी राज्यों में 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच हर घर पर चतिरंगाज फहराया जाएगा। लेकिन इससे पहले आज सभी सांसदों ने तिरंगा बाइक रैली निकाली। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने लाल किले से विजय चौक तक व्हर घर तिरंगाज बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी भाग लिया। समाचार एजेंसी एएनआई ने इस रैली का वीडियो भी जारी किया है जिसमें देखा जा सकता है कि स्मृती ईरानी अपनी स्कूटी पर तिरंगा लहराते सबसे आगे दिख रही हैं। इसके अलावा इस रैली में केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी भी दिखीं।इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि तिरंगा बाइक रैली में विपक्ष का एक भी सांसद शामिल नहीं हुआ।

साध्वी ऋतम्भरा के आश्रम की 4 बच्चियों की मौत

3 महीने बाद पुलिस ने दर्ज किया केस आदिवासियों ने किया था आंदोलन

खंडवा,एजेंसी। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में ओम्कारेश्वर स्थित साध्वी ऋतम्भरा के आश्रम स्टाफ के खिलाफ थाना मांधाता में मामला दर्ज किया गया है। 20 अप्रैल को साध्वी ऋतम्भरा के परम शक्ति पीठ आश्रम की चार आदिवासी बच्चियों की नहर में डूबने से मौत हो गई थी। इसी मामले में पुलिस ने आश्रम स्टाफ को दोषी मानते हुए लगभग 3 माह बाद कार्रवाई की हैं। आश्रम स्टाफ पर पुलिस ने धारा 304 के तहत मामला दर्ज किया है।खंडवा के ओम्कारेश्वर में कोठी ग्राम में स्थित साध्वी ऋतम्भरा के परम शक्ति पीठ आश्रम में लगभग 3 माह पूर्व चार आदिवासी बच्चियों की नहर में डूबने से मौत हो गई थी।

ED, CBI का दुरुपयोग कर रही है सरकार :खड़गे

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के मानसून सत्र का आज 13वां दिन है। भारी हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया था। इधर, राज्यसभा में विपक्ष के ED, CBI, इनकम टैक्स के इस्तेमाल पर सवाल उठाया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि केद्र सरकार ED, CBI, इनकम टैक्स का गलत इस्तेमाल कर रही है। देश में इंडिपेंडेंट ऑटोनॉमस बॉडीज का दुरुपयोग हो रहा है। विपक्ष के नेता कहा कि सरकार राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ भेदभाव कर रही है। लोकतांत्रिक सरकार को गिराने का काम कर रही है।

कर्नाटक में लैंडस्लाइड, 6 की मौत

कन्नड़,एजेंसी। कर्नाटक के कन्नड़ जिले में दो अलग-अलग जगहों पर हुई लैंडस्लाइड के चलते 6 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक कन्नड जिले के भटकल तालुका में लैंडस्लाइड में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना दक्षिण कन्नड जिले के सुब्रमण्य में हुई, जहां दो बहनों के शव एक दूसरे के हाथ पकड़े हुए मिले। दो बहनों की मौत उनके घर पर पहाड़ का एक हिस्सा गिरने से हुई।

आंध्र के अच्युतपुरम में कैमिकल कंपनी में गैस का रिसाव

अच्युतपुरम ,एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अच्युतपुरम जिले में कैमिकल फैक्टरी में गैस रिसाव होने के बाद 50 महिला कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कुछ ही हालत गंभीर बताई गई है। जानकारी के मुताबिक, हादसा ब्रैंडिक्स स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) स्थिति कपड़े बनाने वाली क्वांटम सीड्स में हुआ।अंकापल्ले के पुलिस निरीक्षक के अनुसार, च्घटना शाम 6ः15 बजे से शाम 7 बजे के बीच हुई। दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे के बीच दूसरी पाली में करीब 1000 कर्मचारी काम कर रहे थे। उल्टी और मतली की शिकायत करने वाली 50 महिलाओं को अंकापल्ले अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।पुलिस के अनुसार, अच्युतपुरम स्थित कंपनी में गैस रिसाव की सूचना के बाद कुछ महिलाएं बीमार पड़ गईं। उनमें से कुछ को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तत्काल पूरा एरिया करव कर लिया और परिसर के अंदर प्रवेश बंद कर दिया।पुलिस अधिकारी ने कहा, च्अन्य कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। स्थिति नियंत्रण में है। कर्मचारी हल्के लक्षणों के साथ बीमार पड़े है और उनका इलाज चल रहा है। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।ज् गैस रिसाव की घटना की मेडिकल जांच की जा रही थी। हालांकि, फिलहाल प्लांट से गैस की गंध नहीं आ रही है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।इसी साल 3 जून को भी यहां इसी तरह की घटना हुई थी जहां 200 से ज्यादा महिला कर्मी आंखों में जलन, जी मिचलाने और उल्टी की शिकायत के बाद बेहोश हो गई थीं। ताजा घटना से सेज में कामगारों में दहशत फैल गई है।

50 महिला वर्कर अस्पताल में भर्ती, कई की हालत नाजुक

धरती पर बड़ी आफत का अंदेशा

टकराएगा सौर तूफान, दुनिया में हो सकता है ब्लैकआउट

वाशिंगटन ,एजेंसी। धरती पर बड़ी आफत आ सकती है। क्योंकि सूर्य के वायुमंडल में एक छेद से तेज गति वाली सौर हवाएं आज (3 अगस्त) पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकरा सकती हैं। इससे एक मामूली जी-1 भू-चुंबकीय तूफान शुरू होने का अंदेशा है। भू-चुंबकीय तूफान से रेडियो सिग्नल में मुश्किल आ सकती है जिससे रेडियो संचालकों को भी व्यवधान का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा जीपीएस इस्तेमाल करने वाले भी दिक्कतें महसूस कर सकते हैं। सौर तूफान का असर मोबाइल फोन के सिग्नल पर भी हो सकता है, इसी के साथ पावर ग्रिड पर भी

इसका असर हो सकता है, जिससे ब्लैकआउट का भी खतरा है। इसी वजह से इस तूफान को लेकर काफी चिंता जताई जा रही है।कोरोनल होल सूर्य के ऊपरी वायुमंडल में ऐसे क्षेत्र होते हैं जहां हमारे तारे की विद्युतीकृत गैस (या प्लाज्मा) ठंडी और कम सघन होती है। ऐसे छेद भी होते हैं जहां सूर्य की चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं, अपने आप में वापस लूप करने के बजाय, अंतरिक्ष में बाहर की ओर बीम करती हैं। सैन फ्रांसिस्को में एक विज्ञान संग्रहालय, एक्सप्लोरेटोरियम के अनुसार, यह सौर सामग्री को 1.8 मिलियन मील प्रति घंटे (2.9 मिलियन किलोमीटर प्रति घंटे) की गति से यात्रा करने वाली एक धार में बढ़ने में सक्षम बनाता है।स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर के अनुसार, सूर्य से निकलने वाला मलबा या कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) आमतौर पर पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 15 से 18 घंटे लगते हैं।

नेपाल-बांग्लादेश बॉर्डर में मुस्लिम आबादी 32 प्रश बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। यूपी और असम में इंटरनेशनल बॉर्डर से लगते जिलों में पिछले सिर्फ 10 साल में अप्रत्याशित डेमोग्राफिक (जनसांख्यिक) बदलाव हुआ है। ग्राम पंचायतों के ताजा रिकॉर्ड के आधार पर यूपी और असम की पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को अलग-अलग रिपोर्ट भेजी हैं। दोनों ही रिपोर्ट में कहा गया है कि बॉर्डर के साथ लगते जिलों में मुस्लिम आबादी 2011 के मुकाबले 32प्रश तक बढ़ गई है, जबकि पूरे देश में यह बदलाव 10प्रशसे 15प्रश के बीच है।

हिमालय की झीलें अब नहीं बनेंगी तबाही का कारण

उत्तराखंड में ग्लेशियर और झीलों में सेंसर रिकॉर्डर लगाए जा रहे

,एजेंसी। हिमालय क्षेत्र की झीलें अब तबाही का कारण नहीं बनेंगी। केदारनाथ घाटी आपदा के बाद वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान ने उत्तराखंड के सभी ग्लेशियर और आसपास की झीलों में सेंसर रिकॉर्डर लगाने शुरू कर दिए हैं। 329 झीलों में से 70प्रश पर काम पूरा हो चुका है। केदारनाथ घाटी आपदा की मुख्य वजह केदारनाथ मंदिर से कुछ किलोमीटर ऊपर बनी चोराबाड़ी झील थी। झील में 16 जून 2013 की रात ग्लेशियर से हिमस्खलन हुआ था।इसका पानी तबाही मचाते हुए नीचे उतरा और हजारों लोगों की मौत हो गई। आपदा के बाद वाडिया संस्थान ने सभी ग्लेशियर झीलों का सर्वे किया। इसमें 329 झीलें संवेदनशील मिलीं। इनमें सेंसर लगाए जा रहे हैं। 70त्न झीलों में सेंसर लग चुके हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. कलाचंद बताते हैं कि सेंसर फिलहाल 'मोरन डेम लेक' में लगाए जा रहे हैं।सेंसर लगाने से यह फायदा होगा कि जैसे ही झील का जलस्तर ब ?गा, बादल फटेगा या हिमस्खलन होगा, संस्थान के कंट्रोल रूम को सिग्नल मिल जाएंगे।

टहलते हुए पटरियों के बीच सो गया

ऊपर से गुजर गई ट्रेन

खरोंच तक नहीं आई

गढ़वा,एजेंसी। गढ़वा में नगर ऊंटारी थाना क्षेत्र के पुरैनी के रहने वाले 30 साल के शहजाद आलम उर्फ पप्पू आलम के ऊपर से सोमवार रात एक बजे पूरी ट्रेन गुजर गई लेकिन उसके शरीर में खरोंच तक नहीं आई। वह इस हादसे के बाद काफी सदमे में है। बताया जा रहा है कि वो टहलते हुए रेल की पटरियों के बीच सो गया था। उसके ऊपर से ट्रेन भी गुजर गई, लेकिन उसे खरोंच तक नहीं आई। सोमवार रात हावड़ा से भोपाल जानेवाली एक्सप्रेस के चालक ने नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन को सूचित किया कि सोनवर्षा गांव में पोल संख्या 47/2 के समीप दोनों रेलवे लाइन के बीच में एक युवक पड़ा हुआ है। उसके ऊपर से ट्रेन गुजर गई। सबको लगा कि ट्रेन से कटकर युवक की मौत हो गई है। आरपीएफ जवानों ने देखा कि वह युवक दोनों पटरियों के बीच सोया हुआ है। वह जिंदा है और शरीर में खरोंच तक नही आई थी।घटना के बाद वह सदमे में था। उसके बाद 108 पर फोन कर वहां एंबुलेंस बुलाया गया। उसके बाद उसे अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि युवक काफी देर से टहल रहा था। एक्सप्रेस से पहले दो मालगाड़ी भी उस ट्रैक से गुजरी थी। अंदेशा है कि एक्सप्रेस के अलावा मालगाड़ी भी उसके ऊपर से निकली थी।

सिब्बल बोले- विधायक नई पार्टी बनाएं या किसी में विलय करें

CJI ने पूछा- मतलब भाजपा में शामिल हों

नई दिल्ली,एजेंसी। महाराष्ट्र में 54 दिन से जारी सियासी संकट पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट की ओर से दाखिल 5 याचिकाओं पर सुनवाई शुरू हो गई है। चीफ जस्टिस एनवी रमना ने सबसे पहले पूछा कि क्या सभी पक्षों ने मामले से जुड़े कानूनी सवालों का संकलन जमा करा दिया है। इस पर राज्यपाल के वकील सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता- मैं अभी जमा करवा रहा हूं। सबसे पहले उद्धव कैंप के वकील कपिल सिब्बल ने कहा- अगर 2 तिहाई विधायक शिवसेना से अलग होना चाहते हैं, तो उन्हें किसी से विलय करना होगा या नई पार्टी बनानी होगी। वह नहीं कह सकते कि वह मूल पार्टी हैं। CJI ने पूछा कि मतलब आप कह रहे हैं कि उन्हें BJP में विलय करना चाहिए था या अलग पार्टी बनानी थी। सिब्बल बोले- कानूनन तो यही करना था।

जबलपुर, कटनी, मंडला, भोपाल, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय में ओरल हाईजीन डे पर शिविर

जबलपुर,यशभारत। ओरल हाइजीन डे के उपलक्ष्य में हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल परिसर में पीरियडॉन्टिक्स विभाग एवं पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा मरीजों की दांतों की सफाई के संबंध में एक शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मरीजों का इलाज पीरियडोनटिस्ट विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर ,डॉ अनुश्री हजारी व्याख्याता ,डॉ इला श्री एवं पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ हिमाषा दरयानी के मार्गदर्शन में किया गया । इसी श्रंखला में हितकारिणी सभा के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालय एवं हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे रंगोली पोस्टर एवं मॉडल का आयोजन भी किया गया जिसके साथ ही सभी छात्र छात्राओं को मुख्य दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। डॉक्टर रोहित मिश्रा डीन समस्त कार्यक्रम के आयोजक रहे।

हरियाली तीज , कृष्ण जन्मोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम

जबलपुर,यशभारत। Jabalpur beautician welfare association के माध्यम से जबलपुर मे पहली बार ब्यूटी जगत jbwa रांझी टीम लीडर्स ने हरियाली तीज एवं कृष्ण जन्मोत्सव का शानदार रंगारंग कार्यक्रम रखा जिसमें लगभग 100से ज्यादा jbwa सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ आराधना चौहान और श्री मति नीता चौबे की उपस्थिति के साथ साथ वर्षा खत्री, सारिका शर्मा, नीलम तिवारी,रीना सिंह, तरंग तिवारी,शोभा विश्वकर्मा, दीक्षा अरोरा, शीला रस्तोगी, सुमन वासुदानी, नीता थापा, आरती विश्वकर्मा, कामना श्रीवास, नीतू यादव, अभिषेक श्रीवास्त्री, विभु चौधरी, प्रशांत मांझी, सपना साहू, बबिता साहू, रिया जैन, उमा श्रीवास्तव,गरिमा सोनी,बिंदु सभी की उपस्थित सराहनीय रही सावन क्वीन का ताज आरती गुप्ता को दिया गया।

सिस्टम नहीं बनने से वर्षा की गतिविधियों पर ब्रेक, तीन-चार दिन बाद फिर झमाझम के आसार

जबलपुर,यशभारत। बारिश की गति धीमी पड़ गई है। मौसम को सीधे प्रभावित करने वाला कोई भी सिस्टम एक्टिव नहीं होने से जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में वर्षा की गतिविधियों में काफी कमी आ गई है। पूर्वी मप्र में अधिकतम तापमान बढ़ा है, जिससे बूंदाबांदी के आसार बने हैं। मौसम विभाग ने सात जिलों में भारी बारिश की आशंका को देखते हुए यलो अलर्ट भी जारी किया है। तापमान में गर्मी बनी हुई है। दिन का तापमान 33 डिग्री के ऊपर बना हुआ है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री तक रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 24.6 डिसे रहा। जबकि बुधवार की सुबह का तापमान सामान्य से दो डिसे अधिक 25.6 रहा।सुबह की आद्रता 78 प्रतिशत रही। इस सीजन में अब तक 601.5

मिलीमीटर बारिश हो चुकी है।

अगले 24 घंटों के लिए मौसम विभाग का पूर्वानुमान कहता है कि जबलपुर ,रीवा, शहडोल सागर, संभागों के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है। विभाग का यलो अलर्ट बता रहा है कि जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट जिलों में कहीं-कहीं बिजली गिरने का अंदेशा है।

मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो मध्य प्रदेश के मौसम पर असर डालने वाला कोई वेदर सिस्टम वर्तमान में एक्टिव नहीं है। इससे पूर प्रदेश में वर्षा में कमी आई है। दिन में गर्मी और उमस अब भी है। कहीं-कहीं वातावरण में नमी होने से बादल छाए हुए हैं। मप्र के पूर्वी क्षेत्र में नमी मिलने के कारण कहीं-कहीं वर्षा हो रही है। मौसम जानकारों ने बताया कि इस समय मानसून ट्रफ भी फिरोजपुर, रोहतक, मेरठ, गोरखपुर, मुजफ्फरपुर, अगरतला से होते हुए बांग्लादेश तक बना हुआ है। 3 अगस्त के बाद अच्छी बारिश के आसार बन रहे हैं।

रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर द्वारा कोविड वैक्सीन का शिविर आयोजित

जबलपुर,यशभारत। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर के तत्वावधान में शिवानी कॉम्प्लेक्स रानीताल चौक में कोविड वैक्सीन का शिविर आयोजित किया गया। जिसमें कोविशिल्ड एवं को-वैक्सीन का पहला, दूसरा एवं बूस्टर डोज़ लगाया गया। जिससे लगभग 500 लोग लाभान्वित हुए। शिविर में रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर के अध्यक्ष दीप कुमार मुखर्जी, सचिव अमित कार्तिक, प्रवीण रिछारिया, अनिल केशवन, राजपाल बजाज, प्रतुल शांडिल्य, शोमेन बनर्जी, सुजीत बनर्जी, अमिताभ मुखर्जी, हिमांशु पचौरी, संजीव सिंह, अभिषेक जाट, सपन वेगड़, दुर्गेश सक्सेना, श्रीदेव मुखर्जी उपस्थित थे। रोटेरियन सरला धर एवं ज्योति जैन का विशेष योगदान रहा। रोटरी के आगामी प्रान्तपाल रोट. अखिल मिश्रा भी इस अवसर पर शिविर का अवलोकन करने उपस्थित हुए। पुनः रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर के तत्वावधान मेंआगामी कोविड वैक्सीन शिविर का आयोजन दिनांक 03 अगस्त दिन बुधवार को शिवानी कॉम्प्लेक्स रानीताल चौक में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक किया गया है. आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

कर्मचारी जगत

फर्जी अस्पतालों का पंजीयन तत्काल निरस्त किया जाये

जबलपुर, यशभारत । म.प्र. तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बताया कि न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिस्ट हास्पिटल शिवनगर जबलपुर में विगत हुई अग्निकांड में 8 व्यक्ति असमायिक काल के मुंह में समा गये एंव कई गंभीर रूप से घायल हुए । इस अग्निकांड के बाद भी स्वास्थ्य विभाग कुंभकरणी नीन्द से नहीं जागा, जबलपुर शहर में चल रहे निर्धारित आर्हतायें की पूर्ति न करने वाले फर्जी अस्पताल संचालित हो रहे हैं। संघ द्वारा पुलिस अधीक्षक जबलपुर के नाम से एक ज्ञापन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शिवेन्द्र सिंह बघेल को सौंपकर मांग की गई की, अनेक निजी अस्पताओं में आग बुझाने के यंत्र नहीं है, आपातकाल स्थिति आगमन, निर्गमन के लिए पृथक पृथक दरवाजे नहीं है, गुणवत्ता युक्त फायर सेफ्टी सिस्टम न होना मरीजों के परिजनों हेतु वाहन स्टेंडकी सुविधा नहीं है तथा दुर्घटना से बचाव हेतु पर्याप्त सुरक्षा कर्मी नहीं है आदि सुरक्षा व्यवस्थाओं की पूर्ति न करने वाले अस्पतालों पर कार्यवाही करने हेतु सौंपा गया और मांग की गई की मृत परिवार के आश्रित सदस्यों को रू 25 लाख तथा घायलों को 15 लाख एवं निःशुल्क ईलाज की व्यवस्था शासन द्वारा की जावे। इस अवसर पर संघ के योगेन्द्र दुबे राम दुबे अटल उपाध्याय संजय यादव मन्सूर बेग मुकेश सिंह आलोक अग्निहोत्री आशुतोष तिवारी अजय ठाकुर नितिन अग्रवाल गगन चौबे योगेन्द्र मिश्रा मनीष चौबे, श्यामनारायण तिवारी प्रणव साहू संतोष तिवारी, मनोज सेन महेश कोरी मो. तारिख, धीरेन्द्र सोनी, आनंद रैकवार, सोनल दुबे, देवदत्त शुक्ला, गणेश उपाध्याय, राकेश दुबे, मनीष लोहिया, मनीष शुक्ला, राकेश उपाध्याय, रवि वांगर, पी. एल. गौतम, गोविन्द विल्थरे, रजनीश तिवारी, डी. डी. गुप्ता, पवन श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

एग्रीकल्चर भारत की लाइफ लाइन है: डॉ. धीरेंद्र खरे

4 राज्यों के 31 कृषि आधारित स्टार्टअप प्रतिनिधियों की भागीदारी

कृषि उद्यमिता उन्मुखीकरण व अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर,यशभारत। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन की सद्प्रेरणा व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धीरेंद्र खरे के मुख्य आतिथ्य में कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के सभागार में कृषि उद्यमिता उन्मुखीकरण व अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन हुआ । विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के बी.पी.डी. सेंटर द्वारा जवाहर राबी के प्रेरणा एवं साकार के 31 स्टार्टअप के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। कार्यक्रम के शुभारंभ में मां सरस्वती के पूजन एवं विश्वविद्यालय कुलगीत का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेंद्र खरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि हमारे देश

की लाइफ लाइन है, रूरल इंडिया का मन में विचार आना व नवाचार के साथ नए-नए स्टार्टअप तैयार करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। आज जरूरत हैं ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के प्रमुख पहलू स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा व बिजली का सुगमता से प्राप्ति के साथ शहरी सुविधाएं गांव में प्राप्त हो, जैसे इंटरनेट का व्यापक सुगमता हो, ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त छात्र छात्राओं में अंतर कम हो। समस्त बेसिक बातों के साथ खेती और कृषि की महत्ता हेतु जागरूकता की महती आवश्यकता है। ताकि खेती करने वाले गांव में रहने वाले की संख्या में बढ़ोतरी हो। डॉ. खरे ने स्टार्टअप प्रतिनिधियों के आईडिया एवं कार्यों की सराहना की व इस दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के कार्यों की प्रशंसा की । शुभारंभ में डॉ. एस बी नाहातकर निदेशक, आई.ए.बी.एम. एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जवाहर राबी ने बताया कि केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन में अब तक 86 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया, इसमें से 31 स्टार्टअप प्रारंभ किए गए एवं 28 स्टार्टअप को पूर्णतः आर्थिक मदद कृषि मंत्रालय, भारत सरकार से 231.75 लाख की ग्रांट प्राप्त हुई एवं 314 प्रत्यक्ष रोजगार एवं अप्रत्यक्ष रूप से 6000 लोगों को फायदा हुआ। सबसे प्रमुख इसमें 50 प्रतिशत रोजगार महिलाओं को प्राप्त हुआ। इस स्टार्टअप से लगभग 50 हजार कृषक सीधे कनेक्ट हुये 3 वर्षों में 195 प्रोडक्ट लांच, अबतक 2 पेटेन्ट मिले, 7 ट्रेडमार्क, 33 अवार्ड स्टार्टअप मिले। इनके माध्यम से 1268 लाख रेवेन्यू मिला। स्टार्टअप से 92000 लोगों को स्टाटअर्प के उत्पादों से लाभांवित हुये है इस जवाहर राबी के अंतर्गत कार्यक्रम में मंचासीन रहे, डॉ. धीरेंद्र खरे, डॉ. जी.के. कोतू संचालक अनुसंधान सेवाएं, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय, डॉ. ए.के. सरावगी, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर, नाबार्ड के अधिकारी श्री अपूर्व गुप्ता, डॉ. अजय खरे, उप लेखानियंत्रक एव डॉ. मोनी थॉमस, प्रबंध संचालक जवाहर राबी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में स्टार्टअप के प्रतिनिधियों द्वारा उनके तैयार किए गए उत्पाद के प्रदर्शनी लगाकर जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान जवाहर राबी के अंतर्गत तैयार साहित्य का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में समस्त विभाग के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में स्टार्टअप प्रतिनिधि एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। क संचालन डॉ. अनुपमा वर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ मोनी थॉमस द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती लवीना शर्मा पाल, व्यवसाय प्रबंधक, श्रीमती लक्ष्मी मनोज ठाकुर, सहप्रबंधक, दीपक पाल, हेमन्त राहगडाले, लोकेश पटेल, दीपक पटेल, जय वर्मा की उल्लेखनीय भूमिका रही।

4 माह से वेतन को मोहताज आउटसोस संविदा कर्मी

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संघ ने बताया कि विगत 4 महीनों से आउट सोर्स संविदा सहायक ग्रेड 3 का वेतन नहीं हो रहा है। कुम्भकरणीय नींद के आगोश में जकड़े जबाबदारों का कहना है कि आवंटन नहीं है जबकि शासन प्रशासन को चाहिए कि कर्मचारी का वेतन हर माह की 1 तारीख को हो जाये। संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है, कि सभी कर्मचारियों का वेतन हर माह की 1 तारीख को होना चाहिए इस हेतु दिनांक 1 अगस्त 2022 को जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा था। जिलाअध्यक्ष रॉबर्ट मॉर्टिन ने मांग की है कि आवंटन के लिए पहले से और लगातार मांगपत्र क्यों नहीं भेजा जाता क्योंकि ये हमेशा का रवैया है आउटसोर्स कर्मचारी कभी भी हर माह वेतन प्राप्त नहीं कर पाते। इस तरह की गैर जिम्मेदाराना हरकत में सुधार न होने पर आंदोलन किया जायेगा। जिलाध्यक्ष- रॉबर्ट मार्टिन, मीनूकांत शर्मा, दिलीप सिंह ठाकुर, स्टेनली नॉरबट, दिनेश गौड़, राकेश श्रीवास, आदि ने जबाबदारों से उनकी कार्यप्रणाली में सुधार लाने और हर माह वेतन व्यवस्था करने की मांग की है।

शिव वरदान भवन में नवनिर्वाचित महापौर का सम्मान

जबलपुर, यशभारत। नगर निगम जबलपुर के नवनिर्वाचित महापौर भ्राता जगत बहादुर सिंह अन्नू के शिव वरदान भवन कटंगा कॉलोनी सेवा केंद्र आगमन पर बी के विमला दीदी ने ईश्वरीय सौगात और गुलदस्ता प्रदान कर के सम्मान किया। महापौर ने कहा कि शहर को आगे बढाने के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्था से समय -समय पर सहयोग लेते रहेंगे । आपने आगे कहा कि मेरा ऐसा मानना है कि शहर की सर्वांगीण उन्नति में आधारभूत संरचनाओं बिजली, साफ सफाई , चिकित्सा

शहर की सम्पूर्ण उन्नति के लिए उसके नागरिकों का आध्यात्मिक रूप से सशक्त होना होता है लाभदायक : अन्नू

, सुरक्षा के साथ साथ नागरिको के आध्यात्मिक विकास के सहायक साधन भी सहयोग देते है , इसलिए जन सामान्य की आध्यात्मिक उन्नति के लिए समय समय पर कार्यक्रम होते रहना चाहिए। इस अवसर पर बी के विमला दीदी ने सेवाकेंद्र के सभी भाई बहनों की तरफ महापौर का स्वागत करते हुए कहा कि नगर की जनता ने आप को जिस जिम्मेवारी निभाने के लिए चुना है , परमपिता परमात्मा आपको इस कार्य हेतु सर्व क्षमताये और शक्ति प्रदान करे ऐसी हम सबकी शुभ कामना है।

हर घर तिरंगा अभियान

जबलपुर,यशभारत। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 13 से 15 अगस्त तक चलाये जाने वाले हर घर तिरंगा अभियान के लिये जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सभी शासकीय विभागों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप न्यूनतम दर पर राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराये जायेंगे। जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा 10 इंच गुणा 15 इंच आकार के राष्ट्रीय ध्वज की दर 30 रूपये तथा 20 इंच गुणा 30 इंच आकार के राष्ट्रीय ध्वज की दर 50 रूपये निर्धारित की गई है।

सेल... सेल... सेल...
मानसून ऑफर
फैन्सी साड़ियाँ, सूट, लहंगा, इवनिंग गाऊन, क्रॉप टॉप, कुर्ती पर
श्री शुभमंगल कलेक्शन
UPTO 50% OFF
सतना बिल्डिंग, मालवीय चौक, जबलपुर 0761- 4015444, 7828684355
NARMADA

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

हृदय रोग जांच एवं परामर्श
डॉ. इसरार अहमद
M.B.B.S., PGDCC (Dip.Card), CCEBDM, FNIC
Fellowship in Echocardeography
हार्ट अटेक (हृदयघाट) सीने में दर्द व भारीपन | उच्च रक्तचाप बी.पी.का बढ़ना या घटना | घबराहट व धड़कन बढ़ना बिना वजह पसीना आना
दिन- सोमवार से शनिवार समय- शाम 6:30 से 10:00
मो. 9717459755/फोन-0761-2443366
पता-1969,नाज मेडिकल हाईकोर्ट रोड रद्दी चौकी, जबलपुर

मो. : 9827362149, 7509681149
रामकृपाल पाल
हाथ ठेला किराये पर मिलता है। नए ठेले बनाए जाते हैं। पुराने ठेले रिपेयर किए जाते है।
गढ़ाफाटक, लिंक रोड (निवाड़गंज मंडी) - कृषि उपज मंडी के पीछे (जानकी नगर) जबलपुर
समय: सुबह 8.00 से शाम : 7 बजे तक

गैलेक्सी
मध्य भारत का तेजी से उभरता हुआ, सर्वप्रथम होलीस्टिक हॉस्पिटल
सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
आर्यरा
आयुष्मान एवं सभी प्रकार के टीपीए की सुविधा
AaryAra (illuminate AspiratioN)
उखरी तिराहा, विजय नगर, जबलपुर (मप्र)-482003
0761-4017010, 4027010, 2647010 Helpline 881983000,7777877708
galaxyhospitaljbpweb@gmail.com, galaxyhospitaljbp2020@gmail.com www.galaxyhospitaljbp.com

महाकौशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घंटे
LIFE CARE ICU, Mukherjee Hospital
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम व सुविधाएं
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट)
डॉ एम. वंसोरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ नेहा वंसोरिया B.D.S, M.D.S. (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ अखिलेश पटेल (छाती एवं स्वांस रोग विशेषज्ञ)
सुविधाएं
हड्डी की चोट का इलाज व ऑपरेशन, सिर की चोट, हेड इन्जूरी, रीढ़ की हड्डी की चोटों का इलाज व ऑपरेशन, लकवा, मिर्गी एवं दिमागी बुखार का इलाज, जहरीली वस्तु का सेवन (Poison Unit), सर्पदंश उपचार, गंभीर लीवर की बिमारी, किडनी की बीमारी (पथरी), डायलिसिस सुविधा उपलब्ध, हर प्रकार के पेट के रोगों का ऑपरेशन,Burn Unit (जले हुए मरीजों का इलाज), महाकौशल के सबसे आधुनिक वेन्टीलेटर उपलब्ध, 24 घंटे डायलिसिस की सुविधाएं
1933, प्रेम मंदिर के पास, राइट टाउन, जबलपुर | 07614038666, 7049079825 | 9300920067

Roasted Food Junction
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
न्यू शो रूम
फ्रुट आयटम उपलब्ध
→रोस्टेट नमकीन →सतू →मूंगफल्ली की लइया →रोस्टेट ड्राई फ्रूड →वेक्ड टोस्ट →करेला चिप्स →पीनट चिक्की →ड्राईभेल →बिस्केट →फुल्की →रोस्टेड मूंगफल्ली →सिंधी पापड़ →चने
Pure & Tasty AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304, 7987145201

इनरव्हील क्लब हाउस जबलपुर साउथ का पदस्थापना समारोह

सकारात्मक भूमिका के साथ कार्य करने को आह्वान

जबलपुर,यशभारत। होटल कल्चुरी में श्रीमती अंकिता जैन असिस्टेंट कमिश्नर नगर निगम जबलपुर के मुख्य आतिथ्य में एवं श्रीमती मनीषा श्रीवास्तव इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 326 की के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। वर्ष 2022-2023 के लिए श्रीमती तरुणा अग्रवाल को अध्यक्ष श्रीमती दिव्या अग्रवाल को सचिव के पद पर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही क्लब की नई कार्यकारिणी गठित की गई। मुख्य अतिथि श्रीमती अंकिता जैन ने अपने उद्बोधन में क्लब के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए सकारात्मक भूमिका के साथ कार्य करने हेतु सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए ढ्ढ पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया । श्रीमती मनीषा श्रीवास्तव ने क्लब की गतिविधियों की सराहना करते हुए इस वर्ष की थीम वी केयर यानी परवाह है । सबकी जिनको है आवश्यकता को साकार करने के लिए प्रेरित किया । पी.डी. रूपराह ने क्लब के नवीन सदस्यों को इनरव्हील की जानकारी दी क्लब में नए सदस्यों का पिन लगाकर स्वागत किया गया ढ्ढ जिसमें क्लब अध्यक्ष तरुण अग्रवाल का पूर्ण सहयोग रहा ढ्ढ कार्यक्रम में क्लब सदस्य विमला तिवारी, नंदा, शालिनी, रजनी, आत्मिका, अंजू, दीपमाला, मानसी, अर्चना गर्ग, नंदिनी, शिल्पा, मोनिका, नीता, आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।

सब्जी बेचने वाली पर थूका, मारपीट की एफआई आर दर्ज, थाने में किया हंगामा

जबलपुर यशभारत। गोरखपुर थाना अंतर्गत प्रभात नगर में मेन रोड से सब्जी वह फल बेचकर आ रही एक महिला के साथ अभद्रता करते हुए आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते महिला के ऊपर थूक कर जमकर मारपीट कर दी महिला ने सोर मचाया तो आसपास के लोग दौड़ पड़े लोगों की भीड़ देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि प्रभात नगर में रहने वाली महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सब्जी फल बेचने का काम करती

फाईल फोटो

है और काम से लौटकर अपने घर जा रही थी तभी रास्ते में सिकंदर नुनिया ने रास्ता रोक लिया और उसके ऊपर थूक दिया जब उसने विरोध किया तो आरोपी के अन्य साथी भी महिला से अभद्रता करने लगे जिसके बाद आरोपी ने महिला के साथ जमकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी आसपास के लोगों ने महिला को बचाया जिसके बाद प्रभात नगर के लोगों ने थाने में भी जमकर हंगामा किया है पुलिस ने एफआई आर दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है।

सेहत के फ्रिकमंद बूस्टर डोज लगवाने उमड़े

बड़ेरियामेट्रो प्राइम हॉस्पिटल और बड़ेरिया चेरीटेबल फाउंडेशन के सहयोग से महाराष्ट्र व्यायाम शाला में शिविर

जबलपुर,यशभारत। समाज के कुछ लोग सदैव सामाजिक विषयों पर अलख जगाने का काम करते रहते हैं । उसी कड़ी में आज महाराष्ट्र व्यायाम शाला में बूस्टर डोज लगाने के लिए शिविर का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल और बड़ेरिया चेरीटेबल फाउंडेशन के संस्थापक शंभू दयाल बड़ेरिया के मुख्याआतिथ्य में द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। इस मौके पर बड़ेरिया चेरिटेबल फाउंडेशन के कोऑर्डिनेटर डॉ सुनील मिश्रा , स्वाती तेलंग, रेणुका बेहरे,अविनाश हरवे, हेमंत पाठक, प्रकाश, मनोहर एवं संतोष गोडबोले मौजूद रहे। इस शिविर में बूस्टर डोज लगवाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है। इस मौके पर आयोजित सभी लोगो का ब्लड शुगर,ब्लड प्रेशर,आदि की जॉच बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के चिकित्सा स्टाफ ने की। उधर 18 वर्ष और इससे अधिक आयु के पात्र हितग्राहियों को कोरोना वैक्सीन की तीसरी डोज लगाने के लिए आज शहर में 251 केंद्र बनाए गए हैं।कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी ने जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों को महा-अभियान को सफल बनाने तथा लक्ष्य पूर्ति करने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा किप्रथम महाअभियान में किसी कारण वश न पहुँच पाए हैं, वो अवश्य ही इस महाअभियान का लाभ उठायें और अपने निकट के टीकाकरण केन्द्र जाकर अपनी बूस्टर डोजलें, जो भी लोगों को कोविड-19 टीके की द्वितीय डोज लगवाये हुए 6 माह हो चुके हैं, वो सभी लोग इस महाअभियान के दौरान अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र जाकर नि:शुल्क प्रीकॉशन डोज लगवा लें। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. डीजे मोहंती ने कहा कि शारीरिक दूरी और मास्क के निर्देशों का पालन कर कोरोना संक्रमण से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोरोना टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है।

मौत के गुनहगार नागपुर पहुंचे, पुलिस की 4 टीमें जुटी तलाश में

जबलपुर, यशभारत। विजय नगर न्यू लाइफ मल्टी स्पेशएलिटी हॉस्टिपल अग्नि हादसे में पुलिस ने अस्पताल के चार मालिक सहित सहायक मैनेजर पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सहायक मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीन की तालाश जारी है। विजय नगर पुलिस ने बताया कि न्यू लाइफ मल्टीस्पेशिलिटी अस्पताल के संचालक-पार्टनर डॉ. निशिथ गुप्ता, डॉ सुरेशपटेल, संतोष सोनी, संजय पटेल एवं मैनेजर राम सोनी पर धारा 304, 308, 34 का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। अस्पताल में आग लगने के बादफरार हुए मैनेजर राम सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अस्पताल के सभी चारों फरार पार्टनर की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद से ही तीनों आरोपी जबलपुर से नागपुर पहुंचे हैं। हालांकि जबलपुर और उसके आसपास के जिलों में तालाश कर रही है। इसके लिए 4 टीमें बनाई गई है।

न्यू लाइफ मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल में हुई दर्दनाक घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग कार्रवाई करन में जुट गया है। मंगलवार को विभाग ने हास्पिटल का लाइसेंस रद्द कर दिया। जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने शिवनगर दमोहनाका में हॉस्पिटल का लाइसेंस सभी नियमों की जांच करने के निर्देश दिए है। वहीं, दूसरी ओर शहर के अन्य हास्पिटलों की जांच के लिए टीम भी बना दी गई है।43 डाक्टरों की टीम शहर के हास्पिटल का दो दिन के भीतर आडिट कर नियमों की जांच करेंगे।

दुकान लगाने पर विवाद : जबलपुर में गारमेंट एक्सपो में दो पक्ष भिड़े, बरसे लाठी डंडे

जबलपुर,यशभारत। जबलपुर के गोहलपुर में लगे गारमेंट एक्सपो में देर शाम दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। एक पक्ष ने दूसरे पर लाठी और रॉड से हमला कर दिया। जिसके बाद हमले में कई लोग घायल हो गए। जिसमें से दो लोगों की स्थिति गंभीर है। एक्सपो में

लगी मशीनें के साथ भी तोड़-फोड़ की गई है। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची। दरअसल गोहलपुर में दो दिवसीय गारमेंट एक्सपो का आयोजन किया जा रहा था। जिसमें पूरे देश से व्यापारी अपने स्टॉल लगाए हुए थे। एक्सपो में इंदौर, भोपाल, अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, उत्तराखंड से व्यापारी भी पहुंचे थे। अगस्त को गारमेंट एक्सपो का शुभारंभ जबलपुर कलेक्टर के द्वारा किया गया था। एक्सपो में दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा था। एक्सपो के अंतिम दिन मंगलवार को एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी और रॉड से हमला कर दिया। बाहर से लड़के बुलवाकर मारपीट कराई गई। मारपीट में दो लोगों के सिर फूट गए। वहीं कई लोग घायल हो गए।

इंटरनेट मीडिया के जरिये कैसे वायरल हो रहे हाईकोर्ट की कार्रवाई के अनधिकृत वीडियो

जबलपुर,यशभारत। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की कार्रवाई के सीधे प्रसारण के वीडियो रिकार्ड कर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप, ट्विटर व यू ट्यूब पर अनधिकृत रूप से चलाए जाने को जनहित याचिका के जरिये चुनौती दी गई। मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ व न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने इस मामले में हाई कोर्ट को भी आवश्यक पक्षकार बनाने के निर्देश दिए हैं। जनहित याचिकाकर्ता की ओर से इस सम्बंध में आवेदन दे दिया गया है। अगली सुनवाई 19 सितंबर निर्धारित की गई है।

जनहित याचिकाकर्ता इंदौर निवासी अधिवक्ता डॉ. अमन शर्मा की ओर से अधिवक्ता अभिनव धानोदकर ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि हाईकोर्ट ने बीते वर्ष अपनी कार्रवाई की लाइव स्ट्रीमिंग आरम्भ की है। यर्ट्यब के जरिए इसका प्रसारण किया जा रहा है। इसके लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट लाइव स्ट्रीमिंग रूल्स 2021 बनाए गए। वहीं, सुप्रीम कोर्ट का त्रिपाठी के मामले में दिया गया दिशा-निर्देश भी इसके लिए ही है। इन नियमों और सुको के न्याय दृष्टांत के तहत लाइव स्ट्रीमिंग के लिए वीडियो रिकार्डिंग व प्रसारण का अधिकार हाई कोर्ट को है, लेकिन कुछ लोग व संस्थान हाईकोर्ट की कार्रवाई की यू-ट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग की वीडियो रिकार्डिंग कर रहे हैं।

इन रिकार्डेड वीडियो को मनचाहे तरीके से एडिट कर फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सएप, यूट्यूब पर चलाया जा रहा है। इससे हाई कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुंच रही है। याचिका में राहत चाही गई कि हाई कोर्ट की लाइव स्ट्रीमिंग की इस तरह अनधिकृत वीडियो रिकार्डिंग पर रोक लगाई जाए। इन वीडियो को इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंधित किया जाए। मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याचिका में हाई कोर्ट को आवश्यक पक्षकार नहीं बनाया गया, इसलिए हाईकोर्ट को भी पक्षकार बनाने के निर्देश दिए गए।

Office of the Executive Engineer (Elect.)
Jabalpur Municipal Corporation (M.P.)
Notice Inviting E-Tender (2nd Call)

NIT No. : JMC/Light/2022-23/25/PRO/338 Date : 2.08.2022
Jabalpur Municipal Corporation invites tender for the "Servicing Repairing work of Window & Split Air Conditioning at JMC Offices Jabalpur" Detail of tender's can be obtained/ download from our website - www.mptenders.gov.in

Executive Engineer (LIGHT) J.M.C., Jabalpur (M.P.)

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर
राप्रक्र/1149/अ-6/2022-23 जबलपुर दिनांक 27/7/22
-: आम इश्तहार:-
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मोह. शरीफ पिता का नाम श्री मोह. लतीफ निवासी 612 लोकमान्य तिलक जबलपुर के द्वारा मौजा गुरदा न.ब. 600 पहनं 81 तहसील जबलपुर जिला जबलपुर मे स्थित प्लॉट/खसरा नं. 89/1 रकवा 400 वर्गफुट भूमि पर श्री नदीम खान आ. श्री शफीक का नाम शासकीय अभिलेख में दर्ज है। नदीम की मौत दिनांक 27.4.21 को हो जाने के कारण से ई पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक से क्रय किया जाना लेख किया है। तत्संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 10.8.22 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक 27.7.22
पेशी दिनांक 10.8.22
तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./164/अ-6/2020-2021
जबलपुर, दिनांक 13/05/2022
- : आम इश्तहार :-
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोज कुमार जैन व अन्य पिता कोमलचंद जैन निवासी 215 प्रभु निवासी कछियाना चौक, लार्डगंज, जबलपुर के द्वारा म.न. 215 प्लॉट नंबर 54/1, 83 स्थित भूमि शीट नं. 52, 53 में से रकवा 524 वर्गफुट भूमि जो आवेदक के द्वारा विक्रेता से रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 04/10/2019 से क्रय किया जाना लेख किया है।
तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को काई दावा या आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
नायब तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर (म.प्र.)
रा.प्र.क्र./150/अ-6/2022-23
जबलपुर, दिनांक 02/08/2022
- : आम इश्तहार :-
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमति माया विश्वकर्मा पति का नाम श्री माधव विश्वकर्मा निवासी 513, एमआर-4 रोड विजय नगर जबलपुर के द्वारा मौजा रैगवां प.ह.नं. 79 तहसील आधारताल जिला जबलपुर में स्थित भूमि प्लॉट/खसरा नं. 146/4, व 144/16 रकवा 0.0380 हे. वर्गफुट भूमि श्रीमति माया विश्वकर्मा पति माधव, विशाल, वर्षा विश्वकर्मा के नाम शासकीय अभिलेख में दर्ज है। ई पंजीकृत विक्रय पत्र से क्रय किया जाना लेख किया है। वर्तमान में भूमि फौती दिनांक 22/5/22 के नाम दर्ज है।
तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियम पेशी दिनांक 17/8/22 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक-2/8/22
पेशी दिनांक-17/8/22
तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

ग्रीन डे पर पौधारोपण

जबलपुर, यशभारत। संजीवनी नगर स्थित संस्कार निकेतन पब्लिक स्कूल में ग्रीन डे का आयोजन किया गया। इस दौरान पौधारोपण कर हरियाली महोत्सव मनाया गया। स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती रेणू राठौर ने छात्र छात्राओं , प्राचार्य व शिक्षिकाओं के साथ पौधारोपण कर उनकी उपयोगिता बतायी। इस मौके पर संगीता शर्मा, वैशाली, अर्चना शर्मा, दिशा, तनु, सुनीता, रितु आदि मौजूद रहे।

सेंट अलॉयसियस के विद्यार्थियों ने बनाई तिरंगे की मानव श्रृंखला

जबलपुर,यशभारत। सेंट अलॉयसियस सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैंट जबलपुर में आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन प्रचार फादर सीबी जोसफ के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। विद्यालय में घर-घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा तिरंगे की मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया।

मांगे पूरी नहीं हुई तो मेडीकल कर्मचारी संघ करेगा हड़ताल

जबलपुर,यशभारत। म.प्र. तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ की मेडीकल शाखा ने मेडिकल कालेज के सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल के संचालक से दो टूक कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण शीघ्र कराने का कष्ट करें अन्यथा संघ आपके कार्यालय के समक्ष चरणबद्ध आंदोलन करेगा। संघ के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित मांगों का निराकरण नहीं हो पा रहा है। संघ के द्वारा दिनांक 22 जुलाई को लंबित मांगों के निराकरण के लिये आपको ज्ञापन दिया था एवं 10 दिवसों के अंदर निराकरण की माँग की गई थी। लेकिन आज दिनांक तक कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो पाया है। अत: संघ ने आपका ध्यान कर्मचारियों की समस्याओं की ओर आकर्षित कराते हुए उनके शीघ्र निराकरण की माँग की है। कर्मचारियों की मांगे इस प्रकार

से हैं पैरामेडिकल स्टॉफ को भी चिकित्सकों की भाँति आयुष्मान योजना के मानदेय का भुगतान समान रूप से किया जाना है। अत: शासन के नियमानुसार सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल के कर्मचारियों को भी 01 अप्रेल 2019 से आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाये। डायलिसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया टेक्नीशियन एवं ओ.टी. टेक्नीशियन का ग्रेड पे 2400 के स्थान पर 2800 किया जावे। चिकित्सा महाविद्यालय एवं सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल के कर्मचारियों के लिये वाहन पार्किंग हेतु पृथक सेस्टाफ वाहन पार्किंग स्टेण्ड की व्यवस्था की जाये। इन मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो धरना प्रदर्शन के बाद 4 अगस्त को कार्यालय का घेराव ,शुक्रवार कोसामुहिक अवकाश और सोमवार से कामबंद हड़ताल की जाएगी।

एनएसयूआई ने की छात्रसंघ चुनाव कराने की माँग

जबलपुर,यशभारत। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई के द्वारा मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश महासचिव सागर शुक्ला पूर्व जिला उपाध्यक्ष अदनान अंसारी के नेतृत्व में मालवीय चौक चौराहे पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला दहन कर छात्र संघ चुनाव की मांग की।एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश महासचिव सागर शुक्ला पूर्व जिला उपाध्यक्ष अदनान अंसारी ने बताया की माननीय मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 10 वर्षो बाद 2017 में मध्यप्रदेश में छात्रसंघ चुनाव कराया गया था जिसमें सरकार पक्ष के छात्र संगठन एबीपीबी की करारी

हार हुई थी, जिसके बाद से सरकार द्वारा कोई न कोई बहाना बताकर छात्र संघ चुनाव टाले जा रहे। छात्र संघ चुनाव होने से छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास, अपने अधिकारों के प्रति सजगता का विकास, तथा राजनीतिक चेतना का विकास होता है तथा छात्रों द्वारा दिए जा रहे छात्र संघ शुल्क एवं अन्य सांस्कृतिक शुल्क का महाविद्यालय में उपयोग किया जाता है। मध्य प्रदेश के पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जा रहे हैं, परंतु छात्र विरोधी सरकार द्वारा 2023 में प्रदेश से भाजपा सरकार को हटाने का मन बना लिया छात्रों के आक्रोश को दबाने के लिए छात्रों के अधिकारों का दमन किया जा रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपूर्व केसरवानी, अहसान अंसारी, शफी खान, प्रतीक गौतम, सक्षम यादव, वाजिद कादरी, अंकित कोरी, रियाज खान, अमन शर्मा, संस्कार लोधी, हर्ष शुक्ल, अनुज शुक्ला, मायक, रोहित राजपूत, अभिषेक, कुणाल खटीक, निशांक, राहुल, आदि उपस्थित थे।

SINCE 1995
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.वि.वि. से संबद्ध
AIECCE New Delhi संबद्ध
METC
AN INSTITUTE OF COMPUTER & VOCATIONAL EDUCATION
PGDCA प्रवेश प्रारंभ TALLY PRIME
DCA सर्वश्रेष्ठ परिणाम CPCT SPECIAL BATCHES
NTT नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग
Elg.-10",12"/Graduate
FREE Seminar, GDPL, Course Material & Skill Dev.
3rd फ्लोर, मोहित चेम्बर्स, राईट टाउन- 9302227789 | राजुल सिटी गंगानगर, गढ़ा-9303327788

2005 से अग्रणी
2022-2023 सत्र हेतु प्रवेश
महात्मा गांधी महिला कम्प्यूटर इन्स्टीट्यूट
(माखन लाल चतुर्वेदी विश्व विद्यालय से) बेसिक कम्प्यूटर कोर्स
PGDCA योग्यता स्नातक | DCA योग्यता बारहवीं | BCA योग्यता बारहवीं | TALLY | CPCT | TYPING
सफलता के 16 वर्ष
आयुष गैलरी के ऊपर, होमसाइंस कॉलेज रोड, जबलपुर जबलपुर- 9111167794, 6265955100

JCS JABALPUR INSTITUTE OF COMPUTER SCIENCE
वर्ष 2000 से कार्यरत
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त
(म.प्र. शासन के ऐक्ट नं. 15, 1990 द्वारा स्थापित वि.वि.)
सत्र जुलाई 2022-2023 सीधे प्रवेश प्रारंभ
M.Sc. (CS) योग्यता- स्नातक किसी भी विषय में
BCA योग्यता- 12 वीं किसी भी विषय में
B.Com (CA) योग्यता- 12 वीं किसी भी विषय में
DCA योग्यता- 12 वीं किसी भी विषय में
PGDCA योग्यता- स्नातक किसी भी विषय में
वि.वि. के पाठ्यक्रम सभी शासकीय, अशासकीय नौकरी एवं उच्च शिक्षा के लिए मान्य हैं।
महाकोशल क्षेत्र का अग्रणी संस्थान
अधारताल, भारत गैस के बाजू में, जबलपुर मो. - 0761-4066631, 9893322108

स्थापना 1948
74 वर्षों का आपका विश्वास
मंदिर छाप छाता
छाते ही छाते
निर्माता- लक्ष्मी अम्ब्रेला इंडस्ट्रीज
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481944
लक्ष्मी एम्पोरियम
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481229
अधिकृत विक्रेता
प्लास्टिक सिल्पोलिन तिरपाल के थोक विक्रेता मो. 9826116661
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम
3/15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481262,2481362

संपादकीय

बोलना ही तो जुर्म है!

कुछ रोज पहले प्रधान न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमना ने कहा था कि देश में (आपराधिक दंड) प्रक्रिया ही सज़ा बन गई है। ये वो शिकायत है, जिसे पिछले कई वर्षों से देश के कई न्यायविद् और बुद्धिजीवी जताते रहे हैं। दरअसल, समझ यह बनी है कि ये स्थिति लाने में खुद सर्वोच्च न्यायपालिका की भूमिका रही है– और जस्टिस रमना का कार्यकाल भी इस बात का अपवाद नहीं है। इस स्थिति का सीधा अर्थ आधुनिक न्याय व्यवस्था की इस मान्यता का निरर्थक हो जाना है कि दोष सिद्ध होने तक कोई व्यक्ति निर्दोष माना जाएगा। इसीलिए कभी खुद भारत के सुप्रीम कोर्ट ने भी यह राय जताई थी कि विचाराधीन मामलों के संदर्भ में जेल अपवाद और बेल (जमानत) नियम है। लेकिन आज ये बात कहीं लागू होती नहीं दिखती। नतीजा यह है कि सरकार के खिलाफ बोलना एक ऐसा जुर्म हो गया है, जिसकी बेहद कड़ी सजा भुगतनी होती है। इसकी आज इसके उदाहरणों की सूची खासी लंबी हो चुकी है। इस सूची में ताजा नाम शिव सेना के प्रवक्ता संजय राउत का जुड़ा है।इसके पहले से ही महाराष्ट्र में ही एनसीपी के नेता नवाब मलिक केंद्र सरकार और वहां सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ ज्यादा बोलने की सजा भुगत रहे हैं। बात कथित अर्बन नक्सलियों से शुरू हुई और अब संसदीय विपक्षी दलों तक पहुंच चुकी है। यह कहने का कतई अर्थ नहीं है कि राजनीति या सार्वजनिक जीवन में जो है, उसे अपराध करने की खुली छूट होनी चाहिए। लेकिन जब सिर्फ विपक्ष के लोगों के कथित अपराध को चुन–चुन कर उन्हें ऐसी प्रक्रिया में फंसाया जा रहा हो, जो अपने–आप में सजा मालूम पड़े, तो यह कहने का आधार बनता है कि यहां मामला कानून के अपना काम करने का नहीं है। सामान्य दिनों में ऐसे मामलों में उम्मीद न्यायपालिका से बनती थी। लेकिन अब अक्सर ये शिकायत सामने आती है कि न्यायपालिका ऐसी कार्रवाइयों की राह सुगम बनाने वाली संस्था बन गई है। हाल में मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक अधिनियम के मामले में सुप्रीम कोर्ट को जो फैसला आया, उसने भी ऐसी धारणा को आगे बढ़ाया है। ऐसे में यह सवाल रोज अधिक प्रासंगिक हो जाता है कि क्या भारत में सचमुच कानून का राज है?

आपदा में ऐसा अवसर

दुनिया इस समय महंगाई से परेशान है। इस बार खास बात यह है कि ये समस्या सिर्फ गरीब या विकासशील देशों में नहीं है। बल्कि विकसित दुनिया भी उतनी ही मुश्किल में है। महंगाई का सबसे बड़ा कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की रिकॉर्ड महंगाई है। असर यह है कि यूरोप में घरों को गर्म करने के लिए मिलने वाली गैस में कटौती हो रही है, जबकि यूरोप से लेकर अमेरिका तक में परिवहन महंगा हो गया है। जाहिर है, इस महंगाई से आम लोग परेशान हैं। लेकिन इसी दौर में दुनिया की सबसे तेल कंपनियों के मुनाफे में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। कच्चे तेल की महंगाई से उनकी तिजोरी भरती चली जा रही है। गौरतलब यह है कि ये कंपनियां तिजोरी में आ रहे अरबों डॉलर का इस्तेमाल कारोबार बढ़ाने में नहीं कर रही हैं।बल्कि उनका ध्यान अपने शेयरों के भाव बढाने पर है। तो हुई अधिक कमाई का इस्तेमाल ये कंपनियां शेयर बाई बैक करने में कर रही हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक सबसे बड़ी तेल कंपनियों– बीपी, शेवरॉन, एक्सन मोबिल, शेल और टोटलएनर्जीज को साझा तौर पर इस वर्ष की दूसरी तिमाहीमें 60 बिलियन डॉलर का मुनाफा हुआ। तो अतिरिक्त कमाई का कुछ हिस्से का कंपनियों ने अपना कारोबार बढ़ाने में निवेश जरूर किया, लेकिन ज्यादातर रकम शेयर बाइ–बैक में खर्च कर दी है। पांच बड़ी तेल कंपनियों ने इस वर्ष से जनवरी से जून के बीच 20 बिलियन डॉलर शेयर बाइ–बैक पर खर्च किए। साल की दूसरी छमाही में उनके खर्च का यह ट्रेंड जारी रहने की संभावना है। उचित ही कंपनियों के इस रुख पर सवाल उठाए गए हैं। कहा गया है कि तेल कंपनियां अमेरिकी उपभोक्ताओं की बिना कोई परवाह किए सिर्फ अपने शेयरों के भाव बढ़ाने में जुटी हुई हैं। यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी तेल कंपनियो के इस रुख की आलोचना कर चुके हैं। उन्होंने कहा है कि इन कंपनियों ने यूक्रेन युद्ध के कारण बढ़ी महंगाई को मुनाफा बढ़ाने का मौका बना लिया है।

यदि चाहे हम हर घर जल, बचत-प्रबंधन इसके हल

जैसे–जैसे जनसंख्या और अर्थव्यवस्था बढ़ती है, वैसे–वैसे पानी की मांग भी बढ़ती है। सीमित पानी और प्रतिस्पर्धी जरूरतों के साथ, पेयजल प्रबंधन चुनौतीपूर्ण हो गया है। अन्य कठिनाइयाँ, जैसे भूजल की कमी और अनियमित वर्षा। इन कठिनाइयों ने ग्रामीण आबादी को तनाव में डाल दिया है, जो पारंपरिक ज्ञान और जल ज्ञान के साथ अपनी पानी की जरूरतों को पूरा करती है। जब स्वास्थ्य की बात आती है, तो ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पाइप से पानी की आवश्यकता होती है। पानी और ऊर्जा के संबंध को बनाये रखने के लिए जल संरक्षण को बढ़ाने और प्राकृतिक जल स्रोतों को बचाने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि यह भावी ऊर्जा उत्पादन के लिए भी बहुत जरूरी हैं।

हममें से ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि पानी बचाने के लिए एक अकेला आदमी क्या कर सकता है। इस तरह के विचार से हम लोग रोज पानी नष्ट कर देते हैं। आज की दुनिया में सभी लोग इस दौड़ में लगे हैं कि हम अपने घरों में बड़े–बड़े गुसलखाने बनाये, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि पानी के बिना वे सब बेकार हैं। हम अपनी जरूरत से ज्यादा पानी का इस्तेमाल करते रहते हैं। कम से कम हममें से हर व्यक्ति अपने घरों और कार्यस्थलों में पानी का उचित इस्तेमाल तो कर ही सकता है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि सड़क किनारे लगे हुए नलों से पानी बह रहा है और बेकार जा रहा है, लेकिन हम वहां से गुजर जाते हैं और नल को बंद करने की चिंता नहीं करते। हमें इन विषयों पर सोचना चाहिए और अपने रोज के जीवन में जहां तक संभव हो पानी बचाने की कोशिश करनी चाहिए।

भारत की बात की जाए तो यहां प्रचुर मात्रा में बारिश होती है लेकिन आबादी बढ़ने के कारण देश में पानी की कमी महसूस की जा रही है। आबादी बढ़ने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अधिक इस्तेमाल होता है। जल स्रोत, स्थानीय तालाब, ताल–तलैया, नदियां और जलाशय प्रदूषित हो रहे हैं और उनका पानी कम हो रहा है। इस समय देश की बढ़ती आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा भारत में खेती भी बारिश के भरोसे ही होती है। भारत में खेती की सफलता पानी की उपलब्धता पर ही निर्भर है, जिसमें बारिश के पानी की अहम भूमिका होती है। अच्छी वर्षा का मतलब अच्छी फसल होता है। वर्षा जल को बचाने की बहुत जरूरत है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इसमें कोई तेजाबी तत्व न मिलने पाये क्योंकि इससे पानी और उसके स्रोत प्रदूषित हो जाएंगे।

तभी तो जल जीवन मिशन राष्ट्रीय जल जीवन कोष की नींव है। 15 अगस्त 2019 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने एक सरकारी कार्यक्रम के बारे में एक बड़ी घोषणा की। जल जीवन मिशन का मुख्य उद्देश्य 2024 तक कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर पानी की आपूर्ति करना है। वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण भी मिशन के सबसे महत्वपूर्ण पहलू हैं। पुनर्नवीनीकरण पानी और रिचार्जिंग संरचनाओं का उपयोग करना, जलमार्ग का विकास,पेड़ लगाने पर ध्यान दे रहे हैं। पारंपरिक और अन्य जल निकायों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है।

यह मिशन नल कनेक्शनों को काम में लाकर नल के पानी के कनेक्शन की कमी को दूर करेगा। यह स्थानीय प्रबंधन पर आधारित है कि कितना पानी उपयोग किया जाता है और कितना उपलब्ध है। यह मिशन पानी की कटाई, पानी को सीधे धरती में डालने और घरेलू अपशिष्ट जल का प्रबंधन करने जैसी चीजों के लिए स्थानीय बुनियादी ढांचे का निर्माण करेगा ताकि इसे फिर से इस्तेमाल किया जा सके। 2024 तक ग्रामीण घर के प्रत्येक व्यक्ति को एक नल कनेक्शन से प्रतिदिन 55 लीटर पानी मिल सकेगा। मिशन समुदाय को पानी के लिए एक योजना के साथ आने में मदद करता है जिसमें बहुत सारी जानकारी, शिक्षा और संचार शामिल है। इस योजना में 3 लाख करोड़ रुपये की राशि दी गई। इस मिशन में हर कोई पानी के लिए जन आंदोलन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने में मदद करता है। हिमालयी और उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए, फंड को केंद्र और राज्य के बीच 90ऽ10, बाकी राज्यों के लिए 50ऽ50 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100त्न विभाजित किया गया है।

जल जीवन मिशन के तहत, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के एससी/एसटी बहुल गांवों में भी हर ग्रामीण परिवार को नल का पानी दिया जाता है, ताकि च्कोई भी छूट न जाए।ज् साथ ही, उन जगहों पर नल के पानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है, जहां पानी की गुणवत्ता खराब है, जैसे मरुस्थल और सूखा प्रभावित क्षेत्र, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति बहुसंख्यक गाँव, सांसद आदर्श ग्रामीण योजना गांव, इत्यादि। पानी समितियों की योजना में गाँव की जलापूर्ति प्रणाली भी अच्छी स्थिति में है, जिसमें वे व्यवस्था को व्यवस्थित तरीके से संचालित करते हैं। इनमें से कम से कम आधे संघों में 10 से 15 सदस्य हैं, जिनमें से कम से कम आधी महिलाएं हैं। अन्य सदस्य स्वयं सहायता समूहों, मान्यता प्राप्त सामाजिक और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी शिक्षकों और अन्य स्थानों से आते हैं। समितियों ने अपने सभी संसाधनों का उपयोग करने वाले गाँव के लिए एकमुश्त कार्य योजना तैयार की हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण जल आपूर्ति और स्वच्छता मिशन को अमल में लाने में कुछ समस्याएं है जिसमें प्रमुख विश्वसनीय पेयजल स्रोतों की कमी हैं। जल–तनावग्रस्त, सूखा–प्रवण और उपोष्णकटिबंधीय जैसे क्षेत्रों में, भूजल, असमान इलाके और बिखरी हुई ग्रामीण बस्तियों में स्थान–विशिष्ट संदूषकों की उपस्थिति है तो साथ ही, गांव में जलापूर्ति के बुनियादी ढांचे के प्रबंधन और संचालन के लिए स्थानीय ग्राम समुदायों की अक्षमता आ? आती है। कुछ राज्यों में, विशेष रूप से कोविड –19 महामारी के बाद, मैचिंग स्टेट शेयर जारी करने में देरी भी इस मिशन की सफलता के रास्ते में बाधा बन रही है। जल जीवन मिशन में अब तक की प्रगति देखे तो जिस समय जल जीवन मिशन की घोषणा की गई थी, उस समय 18.93 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 17.1त्न के पास नल के पानी के कनेक्शन थे। इसका मतलब यह हुआ कि 3.23 करोड़ ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन थे।

जेजेएम के तहत अब तक 5.38 करोड़ (28त्न) ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन स्थापित किए जा चुके हैं। इसलिए, देश के 19.22 बिलियन ग्रामीण परिवारों में से 8.62 बिलियन (या 44.84 प्रतिशत) पीने योग्य नल का पानी है। गोवा, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पुडुचेरी जैसे राज्यों के ग्रामीण इलाकों में नल से बहते पानी वाले घरों की संख्या 100त्न तक पहुंच गई है। च्हर घर जलज् हर किसी की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया है। मिशन का प्राथमिक उद्देश्य जितना हो सके कम से कम बर्बाद करते हुए पानी की बचत करना है। इस समय पृथ्वी ग्रह पर जीवन को बचाये रखने के लिए सबसे बड़ी जरूरत पानी को बचाने की है; यह सुनिश्चित करने के लिए जल संसाधनों का प्रबंधन करके किया जाएगा कि देश में सभी को समान मात्रा में पानी मिले।

– सत्यवान च्सौरभज

मोदीजी मेरी मां पेंसिल मांगने पर मारती है!

जनाब सरकार को मंहगाई नज़र नहीं आती।जबकि एक बच्ची मां से पेंसिल मांगने पर मार खा रही है।कन्नोज की कृति प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर भेज रही है उसकी बात सोशल मीडिया के ज़रिए सदन और पी एम तक निश्चित तौर पर पहुंच चुकी होगी किंतु संवेदनहीन सरकार ने उस बच्ची के लिए सहानुभूति के दो शब्द भी नहीं पहुंचाए। उस बच्ची के कथन के बाद अब मंहगाई पर चर्चा होने का क्या मतलब।जब छोटी बच्ची की बात नहीं सुनी जाती तो माननीय प्रतिपक्षी सांसदों का तो अब बोलना ना बोलना बराबर है।नक्कार खाने में तूती की आवाज।

हालांकि मंहगाई पर विपक्ष के आंदोलन और लोकसभा से सांसदों का निलंबन वापस लेने के बाद सोमवार को लोकसभा में महंगाई पर चर्चा हुई।इस दौरान बड़बोले प्रधानमंत्री मोदीजी नहीं रहे। आमतौर पर बहस मुबाहिसों से वे परहेज करते हैं हो सकता है वे किसी ज़रुरी काम में व्यस्त हों। इस दौरान विपक्ष ने एलपीजी, बेरोजगारी, ईंधन के बढ़ते दामों पर सरकार पर जमकर हमले किए।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने चर्चा की शुरुआत की उन्होंने अर्थव्यवस्था के गलत प्रबंधन के लिए सरकार पर तंज कसा उन्होंने कहा कि देश में पिछले 14 महीने से महंगाई डबल डिजिट में है, यह 30 साल में सबसे ज्यादा है. उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक आसमान छू रहा है। उन्होंने कहा कि चावल, दही, पनीर और पेंसिल और शार्पनर जैसी रोजाना के इस्तेमाल की चीजों पर जीएसटी बढ़ाया गया है बच्चों को भी नहीं बख्श रही सरकार। तृणमूल कांग्रेस की सांसद काकोली घोष ने कहा, च्क्या सरकार चाहती है कि हम कच्ची सब्जियां खाएंज्, फिर उन्होंने एक बैगन दिखायाऔर उसे कच्चा खाने लगी, यह बताने के लिए कि उनका मतलब है कि रसोई गैस इतनी महंगी है कि खरीदना पकाना मुश्किल हो रहा है।शिअद नेता हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि उन्होंने मूल्य वृद्धि की चर्चा करने के लिए 10 दिन और 150 करोड़ बर्बाद किए। उनके जवाब निराशाजनक रहे हैं।आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भी आज राज्य सभा में मंहगाई की वजहें स्पष्ट करते हुए वे आंकड़े पटल पर रखे जो मोदीजी ने अपने मित्रों को खैरात में दिए। उन्हें अपने मित्रों को दुनिया का नंबर वन बनाने की चिंता है। अमूनन अन्य जो सदस्य बोले उन सबने मंहगाई डायन की भरपूर भर्त्सना की।

लोकसभा में महंगाई पर चर्चा के दौरान सरकार का पक्ष केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा उन्होंनेयह स्वीकारा कि स्थिति बेहद गंभीर है, और कीमतों पर लगाम लगाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं आगे कहा कि पूरी दुनिया के मुकाबले भारत में महंगाई बेहतर स्थिति में है।सरकार की कोशिश है कि महंगाई दर को 7 फीसदी से नीचे रखा जाए, और सरकार इसमें कामयाब रही है।भारत की पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका से तुलना नहीं कर सकते हैं. पाकिस्तान और बांग्लादेश लगातार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से लगातार बिलियन डॉलर की मांग कर रहा है. बांग्लादेश ढ्ढरूस्न से 4.5 बिलियन डॉलर मांग रहा है, जबकि पाकिस्तान 7 बिलियन डॉलर मांग रहा है. जबकि भारत के पास विदेशी मुद्रा भंडार समुचित है।वे इसी बात से खुश नज़र आईं।

निर्मला सीतारमण की बात सुनकर कांग्रेस ने पहले लोकसभा और बाद में राज्य सभा से वहिर्गमन किया।सदन में कल फिर चर्चा की जाएगी।आम लोगों की राय यह है कि भैंस के आगे बीन बजाने से कोई फायदा नहीं होने वाला।जब सदन में सरकार को मंहगाई नज़र नहीं आ रही तो आगे क्या हासिल होने वाला है इसलिए अब सदन के बाहर सड़कों पर ही निकलना उचित होगा। निर्मला सीतारमण से निवेदन है कि कम से कम वे बच्चों के दूध और पढ़ाई लिखाई के सामान और भोजन के ज़रूरी सामान पर गंभीरता से सोचें। निश्चित तौर पर देश के पास धन की कमी नहीं है वह कहां और क्यों जा रहा है आप अच्छी तरह जानती है । अमीरों की बात ना बोले ग़रीब तबके की हालत देखें।उस मासूम बच्ची की बात पर चिंता करें वह अपनी मां की मार खां रही है सरकार की बढ़ती मंहगाई की बदौलत।आप कहती हैं सब ठीक है।इधर देशवासियों को मंहगाई मार रही है। मंहगा भोजन,मंहगी शिक्षा,मंहगा स्वास्थ सब हाहाकार मचाए हुए हैं।

सुसंस्कृति परिहार

आपका राशिफल 04 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्त्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
बुद्धितत्त्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली - 5889

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मोनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमीं' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंग दे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'दिल तू मैंने मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैयारे सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'ओ बाबा ओ बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 5888

Jagrutidaur.com, Bangalore

मस्तक पर होती हैं 7 लकीरें सबसे ताकतवर हैं शनि रेखा

मान्यता है कि माथे पर बनी किस्मत की रेखाओं के अनुसार ही व्यक्ति का जीवन चलता है। इन रेखाओं के अनुसार ही किस्मत बनती और बिगड़ती है। लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि माथे पर बनी हर रेखा का एक गृह से संबंध है। जैसे सबसे ऊपर वाली रेखा को शनि रेखा कहा जाता है। यानी शनि ग्रह की स्थिति का असर इस पर पड़ता है। इसी तरह दूसरे नंबर वाली रेखा गुरु रेखा कहलाती है। वृहस्तपति से इसका सीधा संबंध है। इसके बाद क्रमशः मंगल रेखा, बुध रेखा, शुक्र रेखा, सूर्य रेखा और चंद्र रेखा आती हैं।

किस्मत बदल सकती है शनि रेखा

माथे पर स्थित सबसे ऊपर वाली शनि रेखा में बहुत शक्ति होती है। ज्योतिष कहता है कि इसी कारण इसे सबसे ऊपरी का स्थान मिला है। समुद्र लक्षण विज्ञान में इसके बारे में विस्तार से बताया गया है। शनि रेखा अधिक लंबी नहीं होती है। केवल माथे के बीच में ही दिखाई देती है। समुद्र लक्षण विज्ञान कहता है कि इस रेखा के आसपास का हिस्सा शनि देव और शनि ग्रह से प्रभावित होता है।

मान्यता है कि जिस व्यक्ति के मारे पर यह रेखा साफ दिखाई देती है, वह गंभीर स्वभाव का होता है। वहीं, जिन लोगों का माथा थोड़ा उठा होता है और शनि रेखा स्पष्ट दिखाई देती है, वे अहंकारी होते हैं। ऐसे लोगों का स्वभाव रहस्यमयी भी होता है। इनके बारे में दूसरे को ज्यादा जानकारी नहीं होती है। ऐसे ही लोग जादूगर और तांत्रिक बनते हैं। जिन लोगों पर शनि देव प्रसन्न होते हैं, उनके लिए अच्छा वक्त शुरू हो जाता है। ज्योतिषियों की सलाह पर शनि देव की आराधना करें।

माथे की लकीरें बताती हैं कितनी रहेगी उम्र

शरीर लक्षण विज्ञान के अनुसार मस्तक की रेखाओं को देखकर किसी भी व्यक्ति की उम्र का अनुमान लगाया जा सकता है। मस्तक पर दो पूर्ण रेखाएं हो तो व्यक्ति की उम्र लगभग 60 वर्ष होती है। वहीं सामान्य मस्तक पर तीन शुभ रेखाएं हो तो व्यक्ति करीब 75 वर्ष की आयु प्राप्त करता है। यदि मस्तक श्रेष्ठ हो तो जातक की उम्र और भी अधिक होती है। निम्न ललाट पर भी शुभ गुणों से युक्त चार रेखाएं हों तो जातक की आयु लगभग 75 वर्ष होती है।

सामान्य मस्तक पर पांच उत्तम रेखाएं हों तो ऐसे जातक सौ वर्ष तक सुख भोगते हैं। यदि उन्नत मस्तक पर पांच से अधिक रेखाएं हों तो जातक की आयु मध्यम और यदि मस्तक निम्न श्रेणी का हो तो जातक अल्पायु होता है। मस्तक की किन्हीं दो रेखाओं के किनारे आपस में एक-दूसरे का स्पर्श करते हैं तो ऐसे जातक की आयु करीब 60 वर्ष होती है। मस्तक पर यदि कोई रेखा न हो तो व्यक्ति 25 से 40 वर्ष की आयु में पीड़ा पाता है।

सूडोकु नवताल- 6405

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6404 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

विचार प्रवाह

दूध उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो उस पर ठंडा पानी डाल दो या फिर गैस बंद कर दो। ठीक इसी तरह सामने वाला अगर क्रोध में उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो आप चुप हो जाइये या फिर वहां से हट जाइये। जहां दूसरों को समझाना मुश्किल हो जाए वहां खुद को समझा लेना ही बेहतर है। चुप्पी कई सवालों का जवाब हुआ करती है। कुछ सवालों का जवाब चुप्पी से देना सीखो।

–मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7445

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आयुर्वेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला (अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. मस्त, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली - 7444 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्व सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार देने में किया जा रहा भेदभाव !

जिला पंचायत ने तिरंगा बनाने फंदा को दिया 70 लाख का ठेका, बैरसिया को नहीं मिला मौका।

भोपाल (यश भारत)। राजधानी के ग्रामीण इलाकों में संचालित स्वसहायता समूह की महिलाओं को रोजगार देने के लिए राज्य सरकार हर प्रयास कर रही है। लेकिन बड़े अधिकारी इस पर पतीला लगाने में जुटे हैं। जिला पंचायत के अधिकारी स्वसहायता समूह की महिलाओं को रोजगार देने में भेदभाव कर रहे हैं। दरअसल राजधानी में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा फहराने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए ग्रामीण इलाकों में स्वसहायता समूह की महिलाओं को साढ़े तीन लाख झंडे बनाने का काम दिया गया है। ऐसे में आरोप लगाए जा रहे हैं कि जिला पंचायत के अधिकारियों ने मनमानी करते हुए करीब 70 लाख का ठेका फंदा पंचायत की महिलाओं को दे दिया गया। जबकि बैरसिया ब्लाक की महिलाएं स्वरोजगार के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। बता दें कि नगर निगम भोपाल अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा फहराने के लिए पांच लाख झंडों कर खरीदी कर रहा है। इनमें दो लाख झंडे बनाने का काम जिला पंचायत ने समर्थन संकुल केंद्र को सौंपा है। इसके साथ ही जिला पंचायत भी डेढ़ लाख झंडे इन्हीं महिलाओं से बनवा रहा है। बैरसिया ब्लाक की महिलाओं का आरोप है कि भोपाल जिले में दो ब्लाक बैरसिया और फंदा शामिल है। अब तक जिले में आने वाले स्वसहायता समूहों के सभी काम दोनों ब्लाक की महिलाओं को दिया जाता था। लेकिन इस बार अधिकारियों ने बैरसिया के साथ पक्षपात करते हुए साढ़े तीन लाख झंडे बनाने का काम फंदा ब्लाक के स्वसहायता समूहों को दे दिया। महिलाओं ने बताया कि जिस दिन झंडे बनाने का काम दिया जा रहा था, दोनों ही ब्लाकों के समूहों को बुलाया गया था। लेकिन बैरसिया ब्लाक की महिलाओं के झंडे रिजेक्ट कर दिए गए और फंदा ब्लाक को झंडा बनाने का काम दे दिया गया।

अधिकारियों से मिलीभगत के आरोप

महिलाओं का कहना है कि जिला पंचायत के अधिकारियों ने समर्थन संकुल केंद्र की महिलाओं से मिलीभगत कर उन्हें काम दे दिया। 11 अगस्त से पहले इन झंडो की आपूर्ति करनी है। लेकिन तिरंगो की संख्या अधिक होने की वजह से महिलाएं इसे बनाने में पिछड़ रही हैं। हालांकि समर्थन संकुल केंद्र की अध्यक्ष ने काम की अधिकता को देखते हुए बैरसिया ब्लाक के स्वसहायता समूहों से भी तिरंगा बनाने के लिए संपर्क किया था। लेकिन एक झंडा बनाने के लिए तीन रुपये दिया जाने से बैरसिया की महिलाओं ने मना कर दिया। उनका कहना था कि जिसे झंडे को बनाने के लिए फंदा को 20 रुपये मिल रहे हैं, उसके लिए बैरसिया की महिलाएं तीन रुपये में क्यों करें। वहीं अधिकारी धमकी दे रहे हैं कि यदि तीन रुपये में झंडा नहीं बनाया तो आगे से सारे काम भी बंद कर देंगे।

बीस रुपये में खरीदा जा रहा ढाई रुपये का झंडा

बताया जा रहा है कि फंदा ब्लाक कि महिलाएं जो झंडा बना रही हैं। वह कपड़ा 48 रुपये मीटर खरीदा गया है। इतने में 10 बाई 15 सेंटीमीटर के करीब 25 झंडे बनाए जा सकते हैं। ऐसे में एक झंडा बनाने में केवल ढाई रुपये का कपड़ा लग रहा है। वहीं झंडा फहराने के लिए बांस की खपच्चियां भी स्वसहायता समूहों से खरीदना है। ये काम भी फंदा की महिलाओं को दिया गया है। दो फीट की बांस की डंडी डेढ़ रुपये और चार फीट की डंडी 2.75 रुपये में खरीदी जा रही है।

काम इतना अधिक नहीं था कि दोनों ब्लाक के स्वसहायता समूहों को दिया जा सके। फंदा ब्लाक में ही जो महिलाएं काम कर रही हैं, इससे उन्हें बमुश्किल आठ से दस हजार रुपये की बचत हो पाएगी।

- रितुराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत भोपाल

किसानों के ऋण आवेदन पर 30 दिनों में करना होगा निर्णय

सरकार ने लोक सेवा गारंटी कानून में शामिल की सहकारिता विभाग की सेवा

सहकारी समिति की सदस्यता के आवेदन का निराकरण करने की अवधि भी निर्धारित की

भोपाल (यश भारत)। प्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों से ऋण प्राप्त करने के लिए किसानों को अब अधिक इंतजार नहीं करना होगा। उनके आवेदन पर समिति को 30 दिन में निर्णय करना होगा। इसी तरह कोई किसान समिति का सदस्य बनना चाहता है तो उसके आवेदन पर भी निर्णय 30 दिन में ही लेना होगा। इसके लिए सरकार ने सहकारिता विभाग की किसानों से जुड़ी इन सेवाओं को लोक सेवा गारंटी कानून के दायरे में लाने का निर्णय लिया है। प्रदेश में प्रतिवर्ष 30 लाख से अधिक किसान प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों से खरीफ और रबी फसलों के लिए ऋण लेते हैं। इसमें 75 प्रतिशत राशि नकद और शेष 25 प्रतिशत ऋण सामग्री के तौर पर दिया जाता है। कृषि ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाता है। सहकारी बैंकों को सरकार ब्याज की प्रतिपूर्ति के लिए वार्षिक 800 करोड़ रुपये का अनुदान देती है। सभी किसानों को इस सुविधा का लाभ मिले, इसके लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सहकारिता विभाग की इन सेवाओं को लोक सेवा गारंटी कानून के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया है। इसके तहत समिति के सदस्य कृषक के ऋण संबंधी आवेदन का निराकरण प्रबंधक यदि 30 दिनों में नहीं करता है तो किसान जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पास अपील कर सकेगा। इस स्तर पर भी तीस दिन में आवेदन का निराकरण करना होगा। इसी तरह कोई किसान प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति का सदस्य बनना चाहता है तो उसके आवेदन पर तीस दिन में निर्णय करना होगा। यदि कोई समिति अपना पंजीयन निरस्त कराना चाहती है तो उस पर निर्णय लेने की अवधि तय कर दी गई है। तीस दिन में निर्णय लेकर संबंधित को सूचित किया जाएगा।

स्कूल शिक्षा विभाग ने अपडेट नहीं किया अपना पोर्टल शिक्षकों के स्थानांतरण में होगी परेशानी

पोर्टल पर जिन स्कूलों में रिक्त पद दर्शा रहें, वहां पहले से ही शिक्षक हैं पदस्थ।

भोपाल (यश भारत)। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण नीति बना ली है। इस बार भी आनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाएगी, लेकिन शिक्षा पोर्टल को अपडेट नहीं किया गया है। पोर्टल पर जिन स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद दर्शा रहे हैं, उन स्कूलों में शिक्षक पहले से पदस्थ हैं। भोपाल जिले के कई स्कूलों में ऐसे उदाहरण सामने आ रहे हैं कि पोर्टल पर रिक्त पदों पर शिक्षक पदस्थ हैं। वहीं कुछ शिक्षकों का स्थानांतरण हो भी गया है, लेकिन उनका नाम पुराने स्कूल में ही दर्ज है। अब ऐसे में तीन अगस्त सीएम राइज स्कूलों में पदस्थ परीक्षा में शामिल नहीं हुए शिक्षकों को पोर्टल पर तीन अगस्त तक च्वाइस फिलिंग करना है, लेकिन पोर्टल अपडेट नहीं होने के कारण उन्हें परेशानी हो रही है। सीएम राइज स्कूलों में पूर्व से पदस्थ शिक्षकों को च्वाइस फिलिंग करना है

सीएम राइज स्कूलों के पूर्व से पदस्थ शिक्षकों की पोर्टल पर च्वाइस फिलिंग शिक्षा विभाग का पोर्टल अपडेट नहीं होने एवं पोर्टल नहीं खुलने के कारण से समस्या हो रही है । विभाग ने च्वाइस फिलिंग के लिए अंतिम तिथि तीन अगस्त घोषित की है, जबकि पूरे प्रदेश के 3000 शिक्षक और राजधानी भोपाल के 175 शिक्षक पिछले छह दिनों से एमपी आनलाइन केन्द्रों पर चक्कर काट रहे है लेकिन पोर्टल अपडेट नहीं से शिक्षक च्वाइस फिलिंग नहीं कर पा रहे हैं। पोर्टल पर जो रिक्त पद प्रदर्शित हो रहे है वह भी विगत दो वर्षों पूर्व के रिक्त पद दर्शाए जा रहे हैं, जिनमें से अधिकांश पद पूर्व से ही भरे हुए है, जबकि राजधानी में अति शेष शिक्षकों की भरमार है। ऐसे में भोपाल सीएम राइज स्कूलों में पूर्व से पदस्थ 175 शिक्षकों का अन्यत्र शालाओं में समायोजन करना शिक्षा विभाग के लिए सिरदर्द बन गया है। वही दूसरी और पोर्टल अपडेट नहीं होने से शिक्षा विभाग एवं शिक्षक भी परेशान है। अभी सिर्फ सीएम राइज स्कूलों के शिक्षकों को अन्यत्र शालाओं में पदस्थ करने के लिए आनलाइनच्वाइस फिलिंगहोरही है।

रिक्त पद भरे हुए हैं

शासकीय माध्यमिक स्कूल हाउसिंग बोर्ड, आरिफ नगर, संजय नगर, ग्रीन पार्क, नई जेल, जीवन ज्योति इत्यादि स्कूलों में प्राथमिक शिक्षक के पद रिक्त है, लेकिन पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहे है। जिन शालाओं में शिक्षक की आवश्यकता है। वहीं पद प्रदर्शित नहीं हो रहे है ।

यहां है गड़बड़ी

पोर्टल पर जिन स्कूलों में पद रिक्त प्रदर्शित हो रहे हैं। वहां पर पर पूर्व से ही शिक्षक पदस्थ हैं जैसे शासकीय माध्यमिक स्कूल हाउसिंग बोर्ड में सहायक शिक्षा विज्ञान विषय के मुन्ना सिंह , शासकीय माध्यमिक स्कूल ब्रिजीशिया में गणित विषय के शिक्षक नरेंद्र चंद्रावत, शासकीय माध्यमिक स्कूल भीमनगर में गणित के आशीष नागर , शासकीय माध्यमिक स्कूल कोकता में विज्ञान में नीलेश आर्य पूर्व से पदस्थ हैं, लेकिन पोर्टल पर उपरोक्त शालाओं में पद रिक्त बताया जा रहा है।

नगर निगम क्षेत्र में व्यवसायिक लायसेंस की नई दरें लागू

पथकर विक्रेताओं को रहेगी छूट

भोपाल (यश भारत)। नगर निगम प्रशासन द्वारा एक अगस्त 2022 से निगम सीमा के अंतर्गत किसी भी प्रकार के व्यवसाय या व्यापार करने वाले व्यवसायियों से लिए जा रहे शुल्क में आंशिक संशोधन किया गया है। इसके अनुसार गलियों एवं एकल रोड पर (चौड़ाई 7.5 मीटर तक) स्थित प्रतिष्ठान से चार रुपये प्रति वर्गफिट की दर से शुल्क लिया जाएगा। जबकि डबल रोड या मुख्य मार्ग (चौड़ाई 7.5 मीटर से 15 मीटर तक) पर स्थित प्रतिष्ठान से पांच रुपये प्रति वर्गफिट की दर से तथा फोरलेन या इससे अधिक लेन की सड़क (चौड़ाई 15 मीटर से अधिक) पर छह रुपये प्रति वर्गफिट की पुनरीक्षित दर निर्धारित की गई है। इसी प्रकार औद्योगिक ईकाइयों पर केवल उत्पादन कार्य में संलग्न संस्थानों के लिए 0-10 हजार वर्गफिट हेतु लायसेंस शुल्क की दर तीन हजार 600 रुपये, 10 हजार से 50 हजार वर्गफिट तक पांच हजार रुपये तथा 50 हजार वर्गफिट से अधिक क्षेत्र वाली औद्योगिक ईकाई से सात हजार रुपये लायसेंस शुल्क लिया जाएगा। इसी प्रकार फोरलेन सड़क के दोनों ओर 100 मीटर की परिधि में छह रुपये प्रति वर्गफिट की दर से शुल्क वसूला जाएगा। जबकि कच्ची दुकान / गुमठी के लिए न्यूनतम व्यवसायिक लायसेंस शुल्क 250 रुपये, पक्की दुकानों के लिए लायसेंस शुल्क 500 रुपये, जबकि पथकर विक्रेता व्यवसायिक लायसेंस से मुक्त रहेंगे। सभी लायसेंस ऑन लाईन पोर्टल पर ही जारी किए जायेंगे और यथा संभव व्यवसायी को साफ्ट कापी से ही दस्तावेज लेकर आनलाईन लायसेंस जारी किए जायेंगे।

राजधानी में एक लाख से अधिक व्यवसायिक प्रापर्टी

शहर में करीब एक लाख से अधिक व्यवसायिक प्रापर्टी है। ऐसे में व्यसायिक लायसेंस की दरें बढ़ने से एक ओर जहां रहवासियों को जेब ढीली करनी पड़ेगी। वहीं नगर निगम आर्थिक तंगी से उबर सकेगा। विशेषज्ञों के अनुसार नई दरें लागू होने से सालाना निगम को 50 करोड़ रुपये का लाभ होगा। ता था लेकिन विभाग की सतर्कता से इसे पहले ही पकड़ लिया गया है।

फुटवियर विक्रेता से लोन के नाम पर सात लाख की ठगी मामले में एक गिरफ्तार

भोपाल (यश भारत)। हनुमानगंज थाना पुलिस ने एक फुटवियर कारोबार के सात लाख रुपये के स्वीकृत लोन को हड़पने के मामले में एक आरोपित गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अभी चार लोगों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। इस वारदात में बैंक प्रबंधन की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है।

हनुमानगंज थाना पुलिस के मुताबिक टीला जमालपुरा निवासी कन्हैयालाल डाबी फुटवियर बेचने का काम करता है। उसकी न्यू मार्केट में फुटपाथ पर दुकान लगती थी। वर्ष 2018 में कन्हैयालाल ने स्वयं की दुकान खरीदने के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए मुख्यमंत्री निवास में आवेदन लगाया था। उसका प्रकरण जिला प्रशासन के पास भेजा गया था। वहां से मामले को लोन स्वीकृति की प्रक्रिया के लिए नगर निगम प्रशासन के पास भेजा गया था। इस बीच फरवरी 2020 में लोन स्वीकृत कराने के सिलसिले में कन्हैयालाल का परिचय बैरसिया रोड स्थित सिंडीकेट बैंक में कबीटपुरा निवासी जमनाप्रसाद नाम के व्यक्ति से हुआ। जमनाप्रसाद ने कहा कि वह बैंक मैनेजर से कहकर लोन स्वीकृत करा देगा। उसके कहने पर कन्हैयालाल ने तमाम जरूरी कागजात जमनाप्रसाद को थमा दिए। जमनाप्रसाद ने कन्हैयालाल को बैंक के मैनेजर से भी मिलवाया था। इससे कन्हैयालाल को भरोसा जम गया था। इसके बाद कन्हैयालाल के दस्तावेजों से सात लाख का लोन स्वीकृत होने पर जमनाप्रसाद ने किसी फर्म का कोटेशन लगवाकर उस फर्म के नाम पर बने डिमांड ड्राफ्ट पर कन्हैयालाल के हस्ताक्षर करवा लिए। कन्हैयालाल से बोला गया कि अब संबंधित फर्म से फुटवियर का माल तुम्हारे पास पहुंचेगा, लेकिन कन्हैयाल के पास किसी तरह का फुटवियर का कोई सामान नहीं पहुंचा। इस बारे में कन्हैयालाल ने जमनाप्रसाद व बैंक मैनेजर से पूछताछ की तो पहले तो वे लोग गोलमोल जवाब देते रहे। इसके बाद उन?होंने भारतीय स्टेट बैंक सुल्तानिया रोड शाखा का एक डेढ़ लाख रुपये का चेक कन्हैयालाल को थमा दिया। कन्हैयालाल वह चेक लेकर बैंक पहुंचा, तो वह चेक भी बैंक से बाउंस हो गया था। इसके बाद उसने पूरे मामले की लिखित शिकायत थाने में की थी। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने ठगी, जालसाजी का केस दर्ज किया था। आरोपित जमनाप्रसाद को गिरफ्तार कर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया था। वहां से उसे जेल भेज दिया गया है। अन?य फरार आरोपितों की तलाश की जा रही है।

होम स्टे के निर्माण और उन्नयन के लिए दो लाख रुपये अनुदान देगी सरकार

किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजस्व विभाग ई-तकनीक को बढ़ावा दे रहा है।

भोपाल (यश भारत)। ग्रामीण पर्यटन परियोजना के तहत पर्यटकों को होम स्टे की सुविधा उपलब्ध करा रहे ग्रामीणों को होम स्टे निर्माण और उन्नयन के लिए अब अनुदान दिया जाएगा। नए होम स्टे के निर्माण के लिए निर्माण लागत का 40 प्रतिशत या दो लाख रुपये तक और उन्नयन के लिए एक लाख 20 हजार रुपये तक अनुदान देने की मंजूरी कैबिनेट ने दे दी है। अनुदान राशि दो किस्तों में दी जाएगी। ज्ञात हो कि ग्रामों में पर्यटकों को होम स्टे की सुविधा वर्तमान में भी उपलब्ध कराई जा रही है। पर्यटन विभाग ग्रामीण पर्यटन परियोजना के तहत मध्य प्रदेश ग्राम स्टे, फार्म स्टे, बेड एंड ब्रेकफास्ट और होम स्टे आदि योजनाएं संचालित करता है। इनके तहत शहरी क्षेत्र के पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश का अनुभव कराया जाता है। परियोजना के पहले चरण में प्रदेश के सौ ग्रामों में गतिविधि संचालित की जाएंगी। पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश, ग्रामीण खानपान, रहन-सहन का अनुभव कराया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक ग्राम में करीब 10 परिवार (यानी एक हजार परिवारों) पर्यटकों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराएंगे। ये परिवार एक हजार होम स्टे कक्षों का निर्माण और उन्नयन करेंगे। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 20 हजार ग्रामीण परिवारों को रोजगार मिलेगा। वहीं पर्यटकों को ठहरने, स्थानीय भोजन की उत्तम व्यवस्था मिलेगी। पर्यटक स्थानीय कला एवं हस्तकला, लोक संगीत एवं नृत्य, स्थानीय खेलकूद और कौशल का भी आनंद ले सकेंगे।

तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने पर कर्मचारियों ने किया मुख्यमंत्री का अभिनंदन

कर्मचारियों का महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ाने पर मध्य प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ, राज्य कर्मचारी संघ, निगम--मंडल कर्मचारी संघ सहित विभिन्न् कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का अभिनंदन किया। कर्मचारी नेता मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कर्मचारी नेता सुधीर नायक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में महंगाई भत्ता बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब राज्य के कर्मचारी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता प्राप्त करेंगे। इसके पहले भी आठ प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया गया। मुख्यमंत्री प्रत्येक वर्ग की आवश्यकताओं को समझ कर समय पर उचित निर्णय लेते हैं। यह मुख्यमंत्री की सहृदयता है। इस मौके पर सामान्य वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष शिव चौबे, सुल्तान सिंह शेखावत, अजय श्रीवास्तव, डीके यादव, हेमंत श्रीवास्तव, हेमंत कपूर, ओपी कटियार, अनूप भार्गव, आशीष सोनी, सुनील श्रीवास्तव, अभय प्रधान, राजकुमार सिंह, फौजदार और अन्य संगठनों के अधिकारी-कर्मचारी, सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैरागढ़ में शासकीय कर्मचारी के घर ईओडब्ल्यू की छापामार कार्रवाई

भोपाल (यश भारत) राजधानी के संत हिरदाराम नगर में मिनी मार्केट रोड स्थित एक शासकीय कर्मचारी के यहां आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) की ने बुधवार सुबह छापामारी कार्रवाई की। टीम ने मौके पर पहुंचते ही परिवार के सदस्यों के घर से बाहर जाने पर रोक लगा दी और दस्तावेजों को अपने कब्जे में छानबीन शुरू कर दी। इस छापामार कार्रवाई के दौरान आरोपित कर्मचारी की तबीयत बिगड़ गई। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। कर्मचारी के आवास के बाहर पुलिस बल तैनात है। टीम आय से अधिक संपर्तति के मामले में कार्रवाई करने पहुंची है। कर्मचारी का नाम हीरो केसवानी है। वह वल्लभ भवन में बतौर क्लर्क पदस्थ है। विभाग को उसके खिलाफ लंबे समय से भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही थीं। सुबह करीब 8ः00 बजे से ईओडब्ल्यू की टीम घर में तलाशी लेते हुए दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है।

बोर्ड आफिस के पास एटीएम लूटने की कोशिश पुलिस छानबीन में जुटी

भोपाल (यश भारत)। माध्यमिक शिक्षा मंडल के पास लगे यूको बैंक के एटीएम में चोरी की कोशिश का मामला सामने आया है। घटना से पहले एटीएम में करीब 12 लाख रुपये भरे गए थे। उसके बाद इस एटीएम में तोड़फोड़ कर चोरी की कोशिश की गई, लेकिन चोर तमाम कोशिशों के बाद भी रुपये चुराने में असफल रहे। चौंकाने वाली बात यह है कि एटीएम में सीसीटीवी तो लगे थे और चालू भी थे, लेकिन रिकार्डिंग नहीं करते थे। एमपी नगर थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज करते हुए छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने आसपास के एक किमी दायरे के सीसीटीवी फुटेज खंगाल लिए हैं। फिलहाल पुलिस को इसमें कुछ नजर नहीं आया है। साथ ही

पुराने बदमाशों से पूछताछ का सिलसिला भी शुरू हो गया है। पुलिस ने 10 बदमाशों को तलब किया है। पुलिस उन बदमाशों की जानकारी जुटा रही है, जिन?होंने पांच साल पहले यूको बैंक के बगल के एटीएम में चोरी की वारदात की थी।

एमपीनगर थाना पुलिस के मुताबिक यूको बैंक के हबीबगंज ब्रांच के प्रबंधक अंकुर श्रीवास्तव ने शिकायत की थी कि उनके पास एक ग्राहक ने सूचना दी है कि उनका एटीएम टूटा पड़ा है। इस पर मौके पर जाकर देखा तो एटीएम के ऊपर का हिस्सा टूटा पड़ा था। तत्काल तकनीकी टीम को बुलाकर मुआयना कराया गया। उसके बाद एमपीनगर थाने में शिकायत की। इस पर एफआइआर दर्ज कर ली गई।

एटीएम के कैमरे नहीं कर रहे थे रिकार्डिंग

यूको बैंक के जिस एटीएम में तोड़फोड़ कर चोरी की कोशिश की गई है, उसमें घटना के पहले 12 लाख की नकदी भरी गई थी, जो बच गए। उसके अंदर कैमरे चालू थे, लेकिन वे तकनीकी खराबी के कारण रिकार्डिंग नहीं कर रहे थे। पुलिस घटना सोमवार शाम पांच बजे से लेकर मंगलवार दस बजे की बता रही है।

गोद ली आंगनवाड़ी के बच्चों को बांटे खिलौने

सिहोरा, यशभारत नगर पालिका के वार्ड 4 में स्थित आंगनवाडी जिसको समाजसेवी भाजपा नगर मंडल महामंत्री विनय जैन ने गोद लिया है उसमें दर्ज सभी छोटे छोटे बच्चों को मंगलवार को उन्होंने अपने जन्मदिन पर आवश्यक खेल इनडोर,आउटडोर एंव विभिन्न प्रकार के खिलौने,कापी,ड्राइंग कापी ,पेंसिल,कलर,दरी,सीसा,झूला,चेयर आदि सामग्री का वितरण किया।सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे की खुशी देखते ही बन रही थी। इसके बाद पौधा रोपण कर प्रकृति को सुरक्षित रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का आयोजन हिन्दी स्कूल में श्रीमती नंदनी मरावी विधायक, पूर्व विधायक दिलीप दुबे,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजा मोर,अभिषेक परोहा,अरुण जैन,राजेश दाहिया,अनुपम सराफ, प्रवीण कुरिया,अनिल पिल्लई ,नीरज पांडे,संजय जैन,शिशिर पांडे, माधव मिश्रा,दिनेश गुप्ता,चीकू तिवारी,विकास दुआ, एडवोकेटअभय व्यौहार,अनिकेत तिवारी,प्रदीप शर्मा,संदेश विश्वकर्मा,बनवारी गुप्ता,दिलीप गुप्ता,अंकित तिवारी की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य हरीश विश्वकर्मा,एवं आगंनवाडी सहायिका श्रीमती सुषमा कुशवाहा उपस्थित रही।

महाशिवपुराण में आज प्रियदर्शिनी दीदी ने की मार्मिक मीमांसा, नागपंचमी पर भक्तों ने बनाये पार्थिव शिवलिंग

त्याग और समर्पण की पराकाष्ठा हैं पार्वती

जबलपुर, यशभारत। सुविख्यात कथा व्यास प्रियदर्शिनी दीदी ने आज पार्वती जन्म की अत्यंत गहन और विस्तारित मीमांसा की उन्होंने कहा कि पार्वती जी त्याग और समर्पण की पराकाष्ठा हैं तभी तो उन्हें भगवान शिव का सानिध्य प्राप्त है।

वे जीसीएफ इस्टेट स्थित आदि पराशक्ति काली मंदिर परिसर में आयोजित महाशिव पुराण एवं असँख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम में कथा व्यास की आसन्दी से बोल रही थीं। दीदीजी ने आज भक्तों को

पार्वती जन्म पर चर्चा की । इसी क्रम में दीदीजी ने तप तारकासुर पर विस्तार से ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने पार्वती जन्म की प्रासंगिकता एवं आध्यात्मिक उद्देश्य पर कई महत्वपूर्ण तथ्य उद्घाटित किये। इसी प्रकार, तप तारकासुर पर कई उद्धरणों और प्रसंगों के माध्यम से सविस्तार वार्तालाप किया। इसी क्रम में दीदी जी ने महर्षि दधीचि के त्याग का महत्व भी श्रोताओं के समक्ष रखा।

लोकमंगल के लिए बनाए पार्थिव शिवलिंग

आयोजन के दौरान पार्थिव शिवलिंग निर्माण का सिलसिला सतत रूप से बढता ही जा रहा है। आज मंगलवार को सभी भक्तों ने लोकमंगल के लिए अगाध प्रेम के साथ भगवान शंकर के पार्थिव शिवलिंग को साकार किया। बडों के साथ बच्चों और युवाओं में भक्ति और आस्था का प्रवाह देखने को मिला। प्रतिदिन की तरह आज भी वरिष्ठ आचार्यगणों द्वारा सम्पूर्ण विधि-विधान से रुद्राभिषेक किया गया। वहीं, आज नागपंचमी के अवसर पर आयोजन स्थल पर काल सर्प दोष

शांति पूजन कराया गया। जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालुजनों ने भाग लिया।

महाशिव पुराण के पावन आयोजन की बुधवार की कडी में कथा व्यास प्रियदर्शिनी दीदी द्वारा शिव-पार्वती विवाह का मनमोहक प्रसंग उल्लेखित किया जाएगा। विवाह से जुडे विविध पहलुओं पर भी चर्चा की जाएगी।

आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंद्रपाल यादव,कैलाश यादव, रामकुमार यादव, सरंक्षक पंडित राहुल दीक्षित संयोजक मनु महाराज उपाचार्य प्रतीक तिवारी ,हर्षवर्धन मिश्रा शिवनारायण उपाध्याय ,रविन्द्र गौतम,ब्रजेश पांडेय, दीपक उपाध्याय,विशाल सरवैया,कृष्णकांत पांडेय,मंजू दुबे ,सुरेश पांडेय ,प्राची दीक्षित व नैना दीक्षित की विशेष उपस्थिति एवं सहयोग रहा।

नाग पंचमी चौरसिया दिवस पर निकली भव्य शोभायात्रा

गाडरवारा(यश भारत)। नाग पंचमी एवं चौरसिया दिवस के पर चौरसिया समाज द्वारा नगर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो शिव मंदिर छिड़ाब घाट से प्रारंभ होकर चौकी, चावड़ी, महावीर भवन, शक्ति चौक, श्याम टॉकीज, सब्जी मंडी, पुरानी गल्ला मंडी, झंडा चौक होते हुए वापस छिड़ाव घाट पहुंची मंदिर परिसर में शोभा यात्रा का समापन किया गया। चौरसिया समाज द्वारा निकाली गई शोभायात्रा में ट्रैक्टर ट्राली पर शिवलिंग की झांकी भगवान भोले शंकर का भव्य तेल चित्र एवं स्थानीय नृत्य कलाकारों द्वारा शंकर पार्वती की वेशभूषा में भगवान भोले शंकर के भजनों पर नृत्य की प्रस्तुति की गई जो शोभायात्रा में जन आकर्षण का केंद्र बिंदु रही । जगह जगह शोभा यात्रा का स्वागत एवं प्रसाद वितरण किया गया। बैंड बाजे डीजे पर युवा वर्ग उत्साहित होकर जुलूस के साथ चल रहा था । सुसज्जित घोड़े पर धर्म ध्वज लेकर बैठी हुई बच्ची शोभा यात्रा की आगे आगे चल रही थी।

नाग पंचमी के अवसर पर चौरसिया समाज द्वारा सर्वप्रथम सुबह सिंह वाहिनी मंदिर पटेल वार्ड में देवी मां की पूजा अर्चना की गई कर प्रसाद चढ़ाया गया ।

दोपहर को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया यात्रा के समापन के पश्चात प्रसाद वितरण हुआ ।चौरसिया दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में चौरसिया समाज संगठन की एवं स्वजाति बंधुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चौरसिया समाज संगठन के अध्यक्ष दीपक चौरसिया ने सभी के प्रति आभार जताया ।

चौरसिया दिवस नागपंचमी पर निकाली वाहन रैली

सिहोरा, यशभारत। चौरसिया नवयुवक मंडल खितौला-सिहोरा के तत्वाधान में चौरसिया समाज द्वारा नागपंचमी पर्व एवं चौरसिया दिवस का महापर्व श्रद्धा भक्ति भाव के साथ मनाया गया 7 जिसमें समाज के स्वजातीय बंधुओं द्वारा विशाल वाहन रैली श्री नृसिंह मंदिर खितौला से निकाली गई जो बरा मोहल्ला,रेलवे फाटक,खितौला बाजार, स्टेशन चौराहा,खितौला मोड़,पुराना बस स्टैंड सिहोरा,गौरी तिराहा,झंडा बाजार,सरावगी मोहल्ला,शिव मंदिर बाबाताल,पहरेवा नाका,राधाकृष्ण मंदिर होते हुए खितौला स्थित श्री महाकाली मंदिर में सपन्न हुई तत्पश्चात सभी स्वाजात बंधुओं द्वारा अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार चौरसिया (रज्जन) के गृह निवास में एकत्र होकर बरझा तालाब पहुंचें वहां पर श्रीगणेश जी,नागदेवता,नागबेल,ब्रम्हा - विष्णु - महेश,मनिया देव,चिहुटिआ महाराज एवं बरमबाबा का पूजन - अर्चन कर प्रसाद वितरण किया इस अवसर पर समाज के सभी लोग उपस्थित थे।

पमरे के रेलकर्मी . अधिकारी हर घर तिरंगा अभियान में होंगे शामिल

जबलपुर यश भारत। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के ऐतिहासिक अवसर पर ''आजादी का अमृत महोत्सव'' सम्पूर्ण भारतीय रेलवे में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेलवे में भी विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ''आजादी का अमृत महोत्सव'' मनाया जा रहा है। भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत के लंबे इतिहास का जश्न मनाने और राष्ट्रीय त्यौहार में आम जनता की भागीदारी को बढ़ाने के लिए, हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में पश्चिम मध्य रेलवे के रेलकर्मी एवं अधिकारी हर घर तिरंगा अभियान में शामिल होंगे तथा आजादी का अमृत महोत्सव में घरों पर तिरंगा झंडा फहराएँगे। इसके अन्तर्गत पश्चिम मध्य रेल में तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा के सभी कार्यालयों, डिपो कार्यालयों, कारखानों, डीजल शेड में कार्यरत अधिकारियो/कर्मचारियों द्वारा कार्यालय एवं घरों में भी तिरंगा झंडा फहराया जायेगा और स्वतंत्रता दिवस पर आजादी के अमृत महोत्सव अभियान से जुड़कर हर घर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को जागरूक किया जायेगा इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इससे न केवल नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज से व्यक्तिगत रूप से जुड़ने में मदद मिलेगी बल्कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान भी बढ़ेगा। देशभक्ति की भावना जागृत होगी। इसके अलावा रेल प्रशासन द्वारा रेलकर्मियों, अधिकारियों सहित आम नागरिकों को अपने फेसबुक, ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया अकाउंट पर तिरंगा प्रदर्शित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है ।

सांतरागाछी–अजमेर साप्ताहिक ट्रेन की सेवा बहाल

पश्चिम मध्य रेल के तीनों मण्डलों से गुजरेगी

जबलपुर यश भारत। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 18009/18010 सांतरागाछी-अजमेर-सांतरागाछी साप्ताहिक ट्रेन की सेवा को दिनाँक 05 अगस्त 2022 से आगामी सूचना तक पुनः बहाल करने का निर्णय लिया गया है। यह है विस्तृत जानकारी गाड़ी संख्या 18009 सांतरागाछी से अजमेर साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 05.08.2022 से प्रत्येक शुक्रवार को सांतरागाछी स्टेशन से 13.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सिंगरौली 04.52 बजे, कटनी मु?वारा 10.50 बजे, दमोह 12.33 बजे, सागर 13.35 बजे, मुंगावली 16.20 बजे, अशोक नगर 17.07 बजे, गुना 18.05 बजे, बारां 19.58 बजे, कोटा 21.25 बजे पहुँचकर तीसरे दिन चंदेरिया 01.28 बजे और 04.55 बजे

अजमेर स्टेशन पहुचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 18010 अजमेर से सांतरागाछी साप्ताहिक एक्सप्रेस* दिनांक 07.08.2022 से प्रत्येक रविवार को अजमेर स्टेशन से 23.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन चंदेरिया 02.55 बजे, कोटा 05.35 बजे, बारां 06.53 बजे, गुना 09.20 बजे, अशोक नगर 10.05 बजे, मुंगावली 10.48 बजे, सागर 12.50 बजे, दमोह 13.58 बजे, कटनी मुड़वारा 15.45 बजे, सिंगरौली 21.40 बजे, और तीसरे दिन 14.30 बजे सांतरागाछी स्टेशन पहुंचेगी।

सावनी फुहारों से सराबोर हुए श्रोता

जबलपुर, यशभारत। मधुर प्रस्तुतियों और बरसात के बिंबों से सजी हिंदी लेखिका संघ द्वारा आनलाइन सावनी काव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर कजरी, मल्हार और ग़ज़लों को प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में जहां श्रृंगार की सरस फुहार थी, तो शिव आराधना की अविरल धार भी दिखी। कहीं विरहन की व्यथा थी, तो कहीं बुंदेली की सोंधी महक। शिक्षाविद् आशा रिछारिया के मुख्य आतिथ्य और कवयित्री डा छाया सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में अर्चना गोस्वामी की सुमधुर सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का आगाज़ हुआ। संघ अध्यक्ष अर्चना मलैया ने सावन माह के प्रकृति और आध्यात्मिक पक्ष को बताया। डा कामना कौस्तुभ के शानदार संचालन में उमा मिश्रा प्रीति, अनीता श्रीवास्तव, डॉ अनामिका तिवारी, डा शोभा सिंह, चंद्र प्रकाश वैश्य, डा आशा श्रीवास्तव, डा राजलक्ष्मी शिवहरे, प्रार्थना अर्गल, सिद्धेश्वरी सराफ, अस्मिता शैली, रेखा चौधरी का विशेष सहयोग रहा। आभार प्रदर्शन डा गीता गीत ने किया।

छात्राओं की हस्तकला देख हर कोई रह गया हैरान

शासकीय मानकुंवर बाई कालेज में आयोजन

जबलपुर, यशभारत। श्रावण मास में शासकीय मानकुंवरबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में छात्राओं को स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा कौशल विकास के लिए प्रोत्साहित करने शिविर का आयोजन किया गया। शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्राओं ने हस्तनिर्मित वस्तुओं, क्राफ्ट आइटम्स, राखी आदि के स्टाल लगाए। इस विशेष उद्यमिता शिविर में मुख्य अतिथि डा. लीला भलावी अतिरिक्त संचालक जबलपुर संभाग, विशिष्ट अतिथि डा. अरुण शुक्ला संभाग समन्वयक स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना, संजय सिन्हा पत्रकार, प्राचार्य डा. सुधा मेहता रही। अतिथि भी छात्राओं द्वारा निर्मित हस्तकला को देख हैरान रह गए। संभाग समन्वयक डा. अरुण शुक्ला ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार इस तरह के उद्यमिता शिविर छात्राओं के लिए विशेष अवसर उपलब्ध कराते हैं, जिससे छात्राएं कौशल विकास, उद्यम, रोजगार तथा स्वरोजगार आदि के अवसर निर्मित करती हैं। इस अवसर पर केंद्रीय कारागार के कैदी भाइयों द्वारा निर्मित वस्तुओं का भी स्टॉल महाविद्यालय में लगाया गया, जिसमें उनकी उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं को राखी बनाने का निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रकोष्ठ प्रभारी डा.सुलेखा मिश्रा ने बताया कि संगीत के क्षेत्र में रोजगार के अवसर को बढ़ावा देने के लिये लाइव म्यूकि शो का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने देशभक्ति व भक्ति गीत गाए। उद्यमिता शिविर में महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक डा रश्मि चौबे, डा. सुषमा श्रीवास्तव, डा. ब्रह्मानंद त्रिपाठी, डा. आरएन श्रीवास्तव, डा. टीआर नायडू, डा. जेके गुजराल आदि मौजूद रहे।

जबलपुर में दो दिवसीय रेडीमेंड गारमेंट मशीनरी फेयर सत्र का समापन

जबलपुर,यशभारत। जबलपुर में दो दिवसीय रेडीमेंड गारमेंट मशीनरी फेयर सत्र का समापन हुआ।इस अवसर पर जबलपुर चेंबर ऑफकॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम दुबे ने कहा कि जबलपुर से साउथ अफ्रीका देषों के लिए एक्सपोर्ट की बहुत अधिक संभावनाएं हैं। जबलपुर रेडीमेड गारमेंट को एक्सपोर्ट पर फोकस करना चाहिए और रेडीमेड वस्तु बनाए तो जबलपुर के 200 से अधिक उद्योगों को बहुत अधिक काम मिल सकता है। लगभग 20 हजार लोगों को काम देने वाला यह उद्योग जबलपुर की अर्थव्यवस्था बदल सकता है। आवष्यकता है नये स्टार्ट-अपों की जो निर्यात पर फोकस करें और दुनिया के बाजार में 'ब्रांड जबलपुर' को स्थापित करें। इस फेयर सत्र में जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम दुबे, एवं दीपक जैन (अध्यक्ष रेडीमेंड गारमेंट एसोसिएशन), आदि उपस्थित थे।

श्रावणी मेला में कांवड़ियों की भीड़, बोल बम के नारों से गूंजा बिजोरी एवं जमुनिया

जबलपुर,यशभारत। कोविड से जुड़ी पाबंदियों के चलते पिछले दो वर्षों से कांवड़ यात्रा पहले जैसी धूमधाम के साथ आयोजित नहीं हो पाई थी, मगर अब इस साल फिर से पहले की तरह पूरी धूमधाम से कांवड़ यात्रा निकालने की तैयारी थी। जबलपुर के बिजोरी जमुनिया क्षेत्र में श्रावणी मेला के तीसरे सोमवार के दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में कांवरियों ने तिलवारा घाट धाम से गंगाजल उठाया और सोमती स्थित पठा धाम की ओर निकल पड़े।

जबलपुर जिले में स्थित तिलवारा में कांवरियों की भीड़ उमड़ी। सोमवार को सुबह से ही कांवरिया तिलवारा घाट पहुंचने लगे। इस दौरान लोगों ने स्नानङ्कध्यान, संकल्प के साथ गंगा जल भरा और उसे कांवर में लटकाकर पठा धाम को चल दिए। तिलवारा घाट से लेकर कांवरिया पथ तक का माहौल बोल बम से गुंजायमान हुआ। काफी संख्या में महिलाएं और बच्चे तिलवारा से पठा के लिए रवाना हुए।

बिजोरी जमुनिया क्षेत्र पठा धाम सोमती और कांवरिया पथ केसरिया रंग में डूब चुका है।

सोमवार को तिलवारा से जल भरकर पठा धाम जाने वाले कांवरियों की काफी संख्या दिखी। सुबह से ही कांवरियों के घाटों पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया।

इस कावर यात्रा में बिजोरी जमुनिया क्षेत्र की सभी क्षेत्रवासियों का एवं ग्राम वासियों का अत्यंत सहयोग रहा 2 साल बाद यह कावड़ यात्रा पूरे पथ पर बोल बम का जयकारा लगाते हुए भोले शिव शंकर पर जल चढ़ाने की उमंग लिए रास्ते रास्ते भर पैदल चल बहुत ही धूमधाम से पठा धाम पहुंचे इसके बीच में क्षेत्रवासियों ने कांवरियों के लिए विशाल भंडारो का आयोजन किया इसी प्रकार सभी कांवरिया प्रसाद पाकर बहुत ही हर्षोल्लास से पठा धाम सोमती मैं शिव जी को जल अर्पण किया।

अनुपस्थिति पर छः शिक्षकों का एक दिन का वेतन राजसात

जबलपुर,यशभारत। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा किय गये औचक निरीक्षण में अनुपस्थित पाये गये कर्मचारियों को कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। संबंधित कर्मचारियों के संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। अत-छ- अनुपस्थित शिक्षकों के एक दिन का वेतन राजसात किया गया। जिनमें श्रीमती अनबरी बेगम व श्रीमती महजबीन आरा शासकीय उर्दू प्राथमिक शाला मोती नाला, श्रीमती वदा बेगम, श्रीमती नीतू सोनी, श्रीमती संतोषी धुरे व श्रीमती सुनीता पटेल शासकीय माध्यमिक शाला मोहनिया हैं। वहीं दो शिक्षकों को चेतावनी जारी की है जिनमें श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव व श्रीमती ममता ठाकुर शासकीय माध्यमिक शाला कुशनेर है।

ए. पी. एन. में मनाया गया 100वां नागपंचमी महोत्सव

जबलपुर,यशभारत। ए. पी. नमंदा विद्यालय एवं महाविद्यालय में 100वां नागपंचमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्री हनुमान जी की पूजा अर्चना से कार्यक्रम की शुरूआत हुई । संस्था अध्यक्ष श्री चमन श्रीवास्तव जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज में कुश्ती का अलग स्थान है, बड़ी खुशी की बात है कि पुरूषों के साथ-साथ अब

बालिका भी अखाड़े में उतरने लगी है । मल्ल युद्ध कला भारतीय संस्कृति की एक प्राचीन कला है, इसे जिन्दा रखने के लिये हम सभी को आगे आना चाहिये। इस कला को प्रोत्साहित करना चाहिये। कार्यक्रम में शाला प्रबंधक श्री तुलसीदास द्रवि?, महाविद्यालय के रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, शाला प्राचार्य अजय वर्मा, मनु श्रीवास्तव, मयंक श्रीवास्तव, आर.एन. चौबे, अनिल सिंह, एस. के. साहू, सिद्दिका उस्मानी, इनायत अली शाह, सहित विद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षक / शिक्षिकायें एवं छात्र / छात्रायें उपस्थित थे। अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया।

एमपी ट्रांसको ने पूर्ण किया प्रदेश का ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर प्रोजेक्ट

जबलपुर,यशभारत। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर स्कीम के मध्यप्रदेश के हिस्से का काम पूरा कर प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि जर्मनी के केएफडब्ल्यू बैंक द्वारा वित्त पोषित इस प्रोजेक्ट का अंतिम कार्य गत दिवस मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने पूरा किया, जिसमें 400 केवी आष्टा-उज्जैन डबल सर्किट लाइन ऊर्जीकृत की गई। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि पूरे देश में गैर परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों से उत्पन्न विद्युत के सहज ट्रांसमिशन के लिए ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर बनाने हेतु देश के कुछ राज्यों में से मध्यप्रदेश को भी चुना गया था। ग्रीन कॉरि?डोर प्रोजेक्ट की कुल लागत 2100 करोड़ में से 840 करोड़ रूपए का लोन जर्मनी के बैंक केएफडब्ल्यू द्वारा स्वीकृत किया गया था। इन कार्यों को मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने निर्धारित लक्ष्य से पहले ही पूरा कर दिखाया। उल्लेखनीय है कि इस प्रोजेक्ट की सतत् मॉनीटरिंग प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा की जा रही थी। 2773 सर्किट किलोमीटर अति उच्च दाब लाइनों सहित अति उच्च दाब के 10 सबस्टेशन भी हुए ऊर्जीकृत-मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता इंजी. एम. एम. ढोके ने बताया कि इस स्कीम के तहत मध्यप्रदेश में 400 केवी के तीन सबस्टेशन, 220 केवी के सात सब स्टेशन, 400 केवी की 5 डबल सर्किट लाइनें, 220 केवी की 15 डबल सर्किट लाइनें व 132 केवी की 26 डबल सर्किट लाइनों का कार्य पूर्ण किया गया। इस प्रकार कुल 2773 सांकेट किलोमीटर अति उच्च दाब लाइनें निर्मित की गई। इस स्कीम से 400 केवी की 1890 एमवीए क्षमता, 220 केवी में 2400 एमवीए क्षमता व 132 केवी में 498 एमवीए कुल 4788 एमवीए अतिरिक्त ट्रांसफॉरमेशन की क्षमता मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के ट्रांसमिशन में नेटवर्क में जोड़ी गई।

यह कार्य किए गए-ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर स्कीम के तहत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने सागर, उज्जैन तथा मंदसौर में 400 केवी के सब स्टेशन सेंधवा, कानवन, जावरा, सैलाना, गु?गांव, रतनगर व नलखेड़ा में 220 केवी के सब स्टेशन और 132 केवी के दो अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किये गए।

तिरंगे का डिजाइन करने वाले स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया को कलेक्ट्रेट में याद किया गया

जबलपुर,यशभारत। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के अभिकल्पक, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं शिक्षाविद परम श्रद्धेय पिंगली वेंकैया जी के 146 वें अवतरण दिवस पर याद करते हुए कलेक्टर कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम कलेक्टर डॉक्टर इलैयाराजा टी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें डॉक्टर इलैयाराजा टी ने कहा कि देश की अखंडता और स्वाभिमान के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के रचनाकार पिंगली वेंकैया एक जियोलॉजिस्ट थे। उन्होंने देशभक्ति के रंगों से राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया है उनके चरणों में शत-शत नमन करते हुए कहा कि आपके द्वारा अभिकल्पित राष्ट्रीय ध्वज हम सबको हमेशा एकता, अखण्डता और सौहार्द के सूत्र में पिरोकर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सुश्री विमलेश सिंह ,अपर कलेक्टर नमः शिवाय अरजरिया, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती कलावती व्यारे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री सृष्टि प्रजापति, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती मेघा पवार ,सहायक आयुक्त मोहित भारती , प्रबंधक आशीष शुक्ला, तहसीलदार राजेश सिंह आदि अधिकारी कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कलेक्ट्रेट कंट्रोल रुम के उमाशंकर अवस्थी, विकास चौदहा, राकेश मून, दीपक कुमार , अनिल मरावी ,अजीत द्विवेदी चंद्रप्रकाश उसराठे, का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

विज्ञान प्रदर्शनी में सी.एम. राईज अधारताल को मिला दो समूहो में प्रथम स्थान

जबलपुर,यशभारत। जिला स्तरीय विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी, वर्ष 2021-22 का आयोजन गत दिवस हायर सेकेण्डरी स्कूल सेंट थॉमस में आयोजित किया गया। जिसमें जबलपुर जिले के सभी विकासखंडों के अनेक विधाओ में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त कर जिला स्तर पर चयनित छात्र / छात्राए, जिला स्तर 4 होने वाले विज्ञान मेले में पहुँचे। तयोगिता में सी. एम. राईज़ शा.उ.मा.वि. अधारताल की कक्षा 12वीं की छात्रा शिवानी पटेल को (मॉडल) प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। वही विज्ञान संगोष्ठी में जिला स्तर पर प्रथम स्थान, श्री पवन कुमार शुक्ला मा.शि. सी.एम. राईज शा.उ.मा.वि. अधारताल को प्राप्त हुआ। जिन्हें सी.एम. राईज शा.उ.मा.वि. अधारताल प्राचार्य श्री प्रकाश कुमार पालीवाल एवं उपप्राचार्य श्रीमती अन्विता सिंह के साथ समस्त स्टॉफ ने बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया

मुहर्रम पर शानदार सजावट की जोरदार तैयारियां

मुजावर मुहल्ला की सवारी के 160 वर्ष पूरे

जबलपुर,यशभारत। । हज़रत इमाम आली मुकाम की शहादत के पर्व मुहर्रम की बुधवार को चार तारीख है। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों मे दिन रात शहीदी कलाम गूंज रहे हैं। इमामबाड़ो में अक़ीदतमंदो की हाजिरी मे प्रतिदिन इजाफा हो रहा है। मुहर्रम पर रोशनी व सजावट करने की परम्परा बहुत पुरानी है। नालबंद मुहल्ला, चार खंबा, बहोराबाग, मोतीनाला, गोहलपुर, मदार टेकरी, अजीजगंज, ठक्करग्राम, भानतलैया, फूटाताल, गलगला, गुरंदी, हनुमानताल, कोतवाली, ओमती, घंटाघर, तैयब अली, चौक, नया मुहल्ला, मे शानदार सजावट की जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। सदर बाजार की गलियों तथा गढ़ा की मुस्लिम बस्तियों मे भी मुहर्रम की सजावट जोरों पर है।

सूर्यकुमार के 76 रन की बदौलत भारत ने तीसरा टी-20 जीता वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का तीसरा मुकाबला सेंट किट्स के वार्नर मैदान में खेला गया। वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की। उसने भारत को 165 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में भारत ने 19 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सूर्यकुमार ने मैच विनिंग पारी खेली।

ऋषभ पंत ने नाबाद पारी खेली

भारत ने तीसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 164 रन बनाए। कायल मेयर्स ने सबसे ज्यादा 73 रन की पारी खेली। जवाब में भारत ने सूर्यकुमार के 76 रन की बदौलत 19 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है।
कप्तान रोहित शर्मा रिटायर्ड हर्ट हुए। जब ऐसा हुआ तब वह पांच गेंदों में 11 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। ऋषभ पंत ने 26 गेंदों में 33 रन और दीपक हुड्डा ने 10 रन की नाबाद पारी खेली। सीरीज के आखिरी दो मैच छह और सात अगस्त को फ्लोरिडा के लॉडरहिल में खेले जाएंगे।

रन चेज करते हुए 19वीं जीत

भारत का यह टी-20 में चेज करते हुए जुलाई 2019 के बाद से पिछले 21 मैचों में 19वीं जीत है। इस दौरान टीम इंडिया सिर्फ दो मैच हारी है। यह वार्नर स्टेडियम में सबसे बड़ा रन चेज भी है। इससे पहले वेस्टइंडीज ने इस मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ 2017 में 147 रन चेज किया था।

इस जीत के साथ भारत ने पाकिस्तान के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी भी की। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 15वां टी-20 मुकाबला जीता। वहीं, पाकिस्तान की टीम ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ 21 टी-20 में से 15 मैच जीते हैं।

वेस्टइंडीज की पारी

टॉस हारकर पहल बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। ब्रैंडन किंग और कायल मेयर्स ने पहले विकेट के लए 57 रन की साझेदारी हुई। किंग को हार्दिक पांड्या ने क्लीन बोल्ड किया। उन्होंने 20 गेंदों में 20 रन की पारी खेली। इसके बाद मेयर्स ने कप्तान निकोलस पूरन के साथ 50 रन की साझेदारी निभाई। पूरन 22 रन बनाकर आउट हुए। मेयर्स ने अर्धशतक लगाया और 50 गेंदों में 73 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने आठ चौके और चार छक्के लगाए।

हार्दिक पांड्या

रोवमन पॉवेल ने 14 गेंदों में 23 रन और शिमरोन हेटमायर ने 12 गेंदों में 20 रन की पारी खेली। डेवोन थॉमस और जेसन होल्डर एक रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह वेस्टइंडीज की टीम 164 रन ही बना सकी। भारत की ओर से भुवनेश्वर कुमार ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। वहीं, हार्दिक पांड्या और अर्शदीप सिंह को एक-एक विकेट मिला।

भारत की पारी

165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को तब झटका लगा जब कप्तान रोहित शर्मा रिटायर्ड हर्ट हो गए। तब वह पांच गेंदों में 11 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। रोहित तब तकल एक चौका औ एक छक्का लगा चुके थे। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और श्रेयस अय्यर ने दूसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी निभाई। श्रेयस 27 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए।

ऋषभ पंत

सूर्यकुमार यादव 44 गेंदों में आठ चौके और चार छक्के की मदद से 76 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें डोमिनिक ड्रेक्स ने अल्जारी जोसेफ के हाथों कैच कराया। इसके बाद ऋषभ पंत ने हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर 14 रन की साझेदारी निभाई। हार्दिक चार रन बनाकर आउट हुए।

टीम इंडिया की जीत के बाद पंत का बल्ला चेक करते होल्डर

फिर पंत ने दीपक हुड्डा के साथ मिलकर 19 ओवर में टीम इंडिया को जीत दिला दी। पंत 26 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं हुड्डा 10 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से ड्रेक्स, होल्डर और अकील हुसैन ने एक-एक विकेट लिया।

28 अगस्त को भारत का सामना पाकिस्तान से, यूएई में होगा टूर्नामेंट

एशिया कप का शेड्यूल जारी

मुंबई (एजेंसी)। एशिया कप 2022 में भारत और पाकिस्तान का मैच 28 अगस्त को खेला जाएगा। टीम इंडिया अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ ही खेलेगी। इन दोनों टीमों को ग्रुप ए में रखा गया है। एशिया कप 2022 का शेड्यूल जारी हो चुका है। बीसीसीआई सचिव और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने सोशल मीडिया पर पूरा शेड्यूल जारी किया है। 27 अगस्त से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान से है। इन दोनों टीमों को ग्रुप ए में रखा गया है। ग्रुप ए में कुल तीन टीमें हैं, भारत और पाकिस्तान के अलावा क्वालिफायर राउंड में जीतने वाली टीम इस ग्रुप में जगह बनाएगी। श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश को ग्रुप बी में रखा गया है। इस टूर्नामेंट में 27 अगस्त से 11 सितंबर के बीच कुल 13 मैच खेले जाएंगे।

यूएई में होगा टूर्नामेंट

इस बार एशिया कप का आयोजन यूएई में किया जाएगा। पहले श्रीलंका को इस टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी, लेकिन वहां के हालात खराब होने की वजह से अब यूएई को इस टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक दूसरे के यहां नहीं खेलना चाहती हैं। ऐसे में यूएई के अलावा श्रीलंका और बांग्लादेश ही मेजबानी के दावेदार थे और श्रीलंका को इस टूर्नामेंट की मेजबानी दी गई थी। श्रीलंका से यह टूर्नामेंट छिनने के बाद यूएई को इसकी मेजबानी मिली है। एशिया कप इस बार टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। 1984 में शुरू हुआ यह टूर्नामेंट 2014 तक 50 ओवर के फॉर्मेट में खेला गया। फिर 2016 में टी-20 विश्व कप की वजह से इसे टी-20 फॉर्मेट में खेला गया था। तब महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में भारतीय टीम ही चैंपियन बनी थी। 2018 में एक बार फिर इस टूर्नामेंट को वनडे फॉर्मेट में खेला गया और रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ही चैंपियन बनी थी। अब इस साल टी-20 विश्व कप की वजह से एक बार फिर से यह टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा।

एशिया कप में सभी टीमों का रिकॉर्ड

भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट के 13 संस्करणों में हिस्सा ले चुकी है और सबसे ज्यादा सात बार चैंपियन बनी है। इसके अलावा टीम तीन बार रनर-अप भी रही। दूसरे स्थान पर श्रीलंका है। श्रीलंकाई टीम पांच बार चैंपियन बनी है और छह बार रनर अप रही है। पाकिस्तान की टीम ने दो बार यह खिताब जीता है और दो बार वह रनर अप रही है। अगले साल फिर से यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में लौट आएगा।

पांचवें दिन भारत को चार पदक

लॉन बॉल और टेबल टेनिस में जीता स्वर्ण

वेटलिफ्टर विकास और बैडमिंटन टीम को रजत

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों में भारत अब तक कुल 13 पदक जीत चुका है, जिसमें पांच स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। लॉन बॉल में भारतीय महिला टीम ने इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर लिया। उसने दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराया। टेबल टेनिस में पुरुष टीम ने स्वर्ण पदक जीत लिया है। विकास ठाकुर ने वेटलिफ्टिंग में रजत जीता। वहीं, भारतीय बैडमिंटन टीम को रजत से ही संतोष करना पड़ा।

भारत के पदक विजेता

5 स्वर्ण: मीराबाई चानू, जेरेमी लालरिनुंगा, अंचिता शेउली, महिला लॉन बॉल टीम, टेबल टेनिस पुरुष टीम
5 रजत: संकेत सरगरी, बिंदियारानी देवी, सुशीला देवी, विकास ठाकुर, भारतीय बैडमिंटन टीम
3 कांस्य: गुरुराजा पुजारी, विजय कुमार यादव, हरजिंदर कौर

डिस्कस थ्रो में सीमा पूनिया पांचवें स्थान पर रहीं

महिला डिस्कस थ्रो में भारत को निराशा हाथ लगी। सीमा पूनिया फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं। उन्होंने छह अटैम्प्ट में से दो अटैम्प्ट फाउल रहे। पहले प्रयास में उन्होंने 52.28 मीटर दूर चक्का फेंका। इसके बाद दूसरे प्रयास में उन्होंने 55.92 मीटर दूर चक्का फेंका। तीसरे प्रयास में सीमा ने 52.30 मीटर दूर चक्का फेंका। चौथा और पांचवां प्रयास सीमा का फाउल रहा। छठे और आखिरी प्रयास में सीमा ने 53.81 मीटर दूर चक्का फेंका। इसी इवेंट में भारत की एक और एथलीट नवजीत कौर ढिल्लन आठवें स्थान पर रहीं। उन्होंने पहले प्रयास में 50.95 मीटर, दूसरे प्रयास में 53.14 मीटर दूर चक्का फेंका। तीसरा प्रयास नवजीत का फाउल रहा। चौथे प्रयास में नवजीत ने 52.21 मीटर दूर चक्का फेंका। पांचवें प्रयास में उन्होंने 52.46 मीटर दूर और छठे प्रयास में 53.51 मीटर दूर चक्का फेंका। नाइजीरिया की चिओमा ओनयेकवेरे ने 61.70 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण जीता। वहीं, इंग्लैंड की जेड लेली ने 58.42 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक हासिल किया। नाइजीरिया की ही ओबीगेरी आमाएची ने 56.99 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारतीय बैडमिंटन टीम फाइनल में हारी, रजत अपने नाम किया

भारतीय बैडमिंटन टीम को मिक्स्ड टीम इवेंट के फाइनल में मलेशिया के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारतीय बैडमिंटन टीम का राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतने का सपना अधूरा रह गया। भारत को रजत से ही संतोष करना पड़ा। भारतीय बैडमिंटन टीम ने 2018 गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। तब भारत ने फाइनल में मलेशिया को हराया था। यह भारत के लिए पांचवें दिन (मंगलवार) का चौथा पदक है। इससे पहले मंगलवार को भारतीय महिला लॉन बॉल टीम और पुरुष टेबल टेनिस टीम ने स्वर्ण जीता था। वहीं, वेटलिफ्टर विकास ने रजत पदक अपने नाम किया था। कुल मिलाकर 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में यह भारत का 13वां पदक रहा। पहले मैच में पुरुष डबल्स में सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को तेंग फोंग एरॉन चिया और वूई यिक सोह की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। मलेशियाई जोड़ी ने पहला गेम 21-18 और दूसरा गेम 21-15 से जीत लिया। इस तरह मलेशियाई टीम 1-0 से आगे हो गई। इसके बाद दूसरे मैच में पीवी सिंधु ने मलेशिया की जिन वेई गोह को हराया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहला गेम सिंधु ने 22-20 से अपने नाम किया। दोनों के बीच पहले गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक वक्त स्कोर 18-18 और फिर 20-20 की बराबरी पर था। इसके बाद सिंधु ने लगातार दो पॉइंट जीतकर 22-20 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में सिंधु ने कड़े मुकाबले में 21-17 से जीत हासिल की। तीसरे मैच में किदांबी श्रीकांत को एंग त्जे योंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत कड़े मुकाबले में पहला गेम 21-19 से हार गए। इसके बाद दूसरा गेम श्रीकांत ने 21-6 से जीत लिया। तीसरे और निर्णायक गेम में एंग त्जे योंग ने श्रीकांत को 21-16 से हरा दिया। इस तरह भारतीय टीम 2-1 से पीछे हो गई। इसके बाद भारत को स्वर्ण के लिए बाकी बचे दोनों मैच जीतने थे। चौथे मैच में विमेंस डबल्स का मुकाबला हुआ। इसमें मलेशिया की कूंग ली पियर्ली तान और मुरलीधरन थिनाह की जोड़ी ने त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को 21-18, 21-17 से हरा दिया। इस तरह मलेशिया ने स्वर्ण पर कब्जा जमाया, जबकि भारत को रजत से ही संतोष करना पड़ा।

स्विमिंग पूल में 'पिया पिया' गाने पर अक्षरा सिंह ने किया डांस

मुंबई (एजेंसी)। भोजपुरी इंडस्ट्री की धाकड़ अभिनेत्री अक्षरा सिंह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री अपने फैंस के बीच हमेशा छाई रहती हैं। उनके गाने और फिल्मों का फैंस इंतजार करते हैं। इसके अलावा, अक्षरा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और यहां पर अपने चाहने वालों के लिए खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं और इस बार भी अभिनेत्री ने ऐसा ही किया है। अक्षरा का एक वीडियो सामने आया है, जिसे अभिनेत्री के साथ मिलकर उनकी दोस्त मनीषा रानी ने शेयर किया है। इस वीडियो में दोनों स्विमिंग पूल में मस्ती करती दिखीं।

भाषा विवाद किच्चा सुदीप को पड़ा भारी !

हिंदी दर्शकों को लुभाने में नाकाम हो रही फिल्म

मुंबई (एजेंसी)। इस साल बॉक्स ऑफिस पर साउथ की फिल्मों का बोलबाला है। साउथ सिनेमा की फिल्में बढ़िया प्रदर्शन कर रही हैं और इसी क्रम में पिछले हफ्ते रिलीज हुई कन्नड़ स्टार किच्चा सुदीप की पैन इंडिया फिल्म %विक्रांत रोणा% से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं। फिल्म को रिलीज हुई अभी छह दिन हो गए हैं और इसके कलेक्शन में दिन-ब-दिन गिरावट दर्ज की जी रही है। आइए आपको बताते हैं कि विक्रांत रोणा के लिए ये छह दिन बॉक्स ऑफिस पर कैसे बीते। विक्रांत रोणा एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन अनूप भंडारी ने किया है। फिल्म की कहानी रहस्यमयी घटनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में किच्चा सुदीप के साथ जैकलीन फर्नांडीज भी नजर आई हैं। 3डी फॉर्मेट में बनी विक्रांत रोणा

फर्स्ट डे ग्रॉसर फिल्मों के मामले में कन्नड़ सिनेमा की टॉप पांच की लिस्ट में शुमार हो गई थी। वहीं, फिल्म को रिलीज के पहले दिन ही हिंदी भाषी दर्शकों ने नकार दिया था।विज्ञापनविक्रांत रोणा रिलीज के बाद बढ़िया प्रदर्शन कर रही थी, लेकिन वीकएंड के बाद से ही इसके कलेक्शन में गिरावट दर्ज की गई है। फिल्म ने पहले दिन 26.49 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 11.71 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 10.80 करोड़ का कारोबार किया था। पांचवें दिन फिल्म ने चार करोड़ का कलेक्शन किया था और हिंदी की बात करें तो यह मात्र सात लाख रुपये का कलेक्शन कर पाई थी। कन्नड़ में फिल्म ने 10.12 करोड़ का कारोबार किया था। वहीं, छठे दिन यह 3.50 करोड़ का कलेक्शन ही कर पाई है।95 करोड़ की लागत से बनी %विक्रांत रोणा% को 2500 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है। इस फिल्म को लेकर मेकर्स को शुरुआत से ही उम्मीद थी कि यह हिंदी भाषा में बढ़िया प्रदर्शन करेगी। किच्चा सुदीप और जैकलीन के साथ ही सलमान खान ने भी जोर शोर से फिल्म का प्रमोशन किया था, लेकिन इसके बावजूद भी हिंदी भाषी लोगों को यह आकर्षित करने में असफल साबित हो रही है। इसको किच्चा सुदीप के हिंदी भाषा को लेकर दिए गए विवादित बयान से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

संजय कपूर की बेटी शनाया ने फैंस को दिखाया सिजलिंग अवतार

शनाया ने सोशल मीडिया पर अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग बना ली है

मुंबई (एजेंसी)। संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं लेकिन सिनेमा में आने से पहले ही शनाया ने सोशल मीडिया पर अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग बना ली है, जो शनाया की एक झलक पाने के लिए बेकरार रहते हैं। वह सोशल मीडिया पर जो भी शेयर करती हैं, वायरल हो जाता है। इन दिनों शनाया अपने दोस्तों के साथ वेकेशन पर हैं, वहां से शनाया ने अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं। शनाया ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें उन्होंने अपना बोल्ड अवतार दिखाया है। पहली तस्वीर समंदर किनारे की है और फोटो में दिख रहा नजारा काफी सुंदर है। दूसरी फोटो में शनाया सेल्फी लेती दिख ही हैं। वहीं, आगे की तस्वीर में उन्होंने अपने दोस्तों के साथ खास झलक दिखाई है। इन तस्वीरों में शनाया ने व्हाइट कलर का एक खूबसूरत आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वह कहर ढा रही हैं। शनाया ने व्हाइट कलर की बैकलेस शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह सिजलिंग लग रही हैं। उनका ये अवतार फैंस का दिल धड़का

रहा है। इन तस्वीरों में शनाया ने अपने लुक को काफी सिंपल रखा है, जिस वजह से उनका चेहरा और ज्यादा अट्रैक्टिव लग रहा है। शनाया की इन तस्वीरों पर उनकी मां महीप कपूर ने कमेंट करते हुए कई सारे हार्ट इमोजी भेजी है। इसके अलावा, फैंस भी इन तस्वीरों पर कमेंट किए हैं। शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। वह जल्द ही शशांक खेतान के निर्देशन में बनने वाली फिल्म बेधड़क में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जा रहा है। शनाया के अलावा, इस फिल्म में लक्ष्य और गुरफतेह पीरजादा जैसे सितारे भी नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में शनाया के फैंस जल्द ही उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेकरार है।

बैठक में कलेक्टर की अस्पताल संचालकों से दो टूक

NOC तभी जब भौतिक सत्यापन नहीं तो बंद होंगे अस्पताल

जबलपुर यशभारत। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज आयोजित बैठक में निजी अस्पतालों एवं नर्सिंग होम संचालकों से अपने संस्थानों में सुरक्षा के सभी इंतजामों को सुनिश्चित करने तथा नियमित अंतराल से फायर ड्रिल आयोजित करने एवं फायर सेफ्टी आडिट कराने के निर्देश दिये गये हैं । बैठक में अस्पताल संचालकों से कहा गया कि वे फायर अलार्म सिस्टम को दुरुस्त रखें, अग्निशमन यंत्रों तथा इलेक्ट्रिकल मशीनरी के उपकरणों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, अपने स्टॉफ को अग्निशमन यंत्रों के इस्तेमाल की तथा राहत एवं बचाव कार्य का अनिवार्यत: प्रशिक्षण भी दें । कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी ने बैठक में कहा कि न्यू लाईफमल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल जैसी घटनाएं दोबारा न हो इसके लिये प्रशासन पुरी तरह सजग है । उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा से समझौता किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा । निजी अस्पतालों को अब पंजीयन या पंजीयन के नवीनीकरण के लिये सभी औपचारिकताएँ हर हाल में पूरी करनी होगी । जो अस्पताल औपचारिकतायें पूरी नहीं करेंगे उनका पंजीयन निरस्त किया जायेगा ।

दो मिनट का मौन रखा

कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई इस बैठक में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ जीतेन्द्र जामदार, नगर निगम आयुक्त आशीष वशिष्ठ, जिला पंचायत की सीईओ सलोनी सिडाना, अपर कलेक्टर शेर सिंह मीणा, सयुंक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ संजय मिश्रा, डॉ राजेश धीरावाणी, सौरभ बड़ेरिया तथा सभी निजी अस्पतालों के संचालक एवं प्रबंधक मौजूद थे । बैठक के प्रारम्भ में न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में हुई अग्निदुर्घना में मृत व्यक्तियों को दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई ।

अस्पतालों में भर्ती न किए जाए मरीज

कलेक्टर ने बैठक में कहा कि ऐसे निजी अस्पताल जिनकी प्रोविजनल फायर एनओसी एक्सपायर हो गई है और उसके द्वारा टेम्परारी एनओसी नहीं ली गई है उन्हें बंद कराया जाएगा । उन्होंने ऐसे निजी अस्पतालों को नये मरीजों को भतीज न करने के निदेज़श दिये हैं । डॉ इलैयाराजा ने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भी सभी निजी अस्पतालों का निरीक्षण कर रहीं है । निरीक्षण के दौरान बताई गई कमियों को भी निजी अस्पतालों को दूर करना होगा अन्यथा संबंधित अस्पताल का पंजीयन निरस्त किया जाएगा ।फायर सेफ्टी आडिट एवं इलेक्ट्रिकल सेफ्टी आडिट कराना होगा उन ट्रेनिंग, ड्रिल एवं कैपेसिटी बिल्डिंग पर जोर देते हुये कहा कि अस्पताल संचालकों को अग्निशमन यंत्रों व इलेक्ट्रिकल मशीनरी की गुणवत्ता के साथ-साथ तय समय पर फायर सेफ्टी आडिट एवं इलेक्ट्रिकल सेफ्टी आडिट भी कराना होगा । उन्होंने कहा कि अस्पतालों में नियमित अन्तराल पर से न केवल फायर ड्रिल का आयोजन हो बल्कि इस दौरान पाई गई कमियों को दूर करने के उपाय भी किये जायें ।

आग से सुरक्षा के उपाय बताए गए

कलेक्टर ने कहा कि स्टाफ की ट्रेनिंग और लगातार अभ्यास से दुघज़्टनाओं के समय राहत एवं बचाव कायज़ बेहतर तरीके से संचालित किये जा सकेंगे । बैठक में अस्पतालों में आग से सुरक्षा तथा राहत एवं बचाव के उपायों की जानकारी एनडीआरएफटीम द्वारा पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से दी गई । एनडीआरएफ टीम के सदस्यों ने अस्पताल संचालकों को अग्निशमन यंत्रों के इस्तेमाल के तौर तरीके बताये । अस्पताल के स्टॉफ को इसका विधिवत प्रशिक्षण देने पर जोर दिया । अग्निशमन यंत्रों के रखरखाव पर ध्यान दिये जाने की जरूरत बताई गई तथा नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित करने पर जोर दिया गया । नगर निगम की ओर से भी फायर एन ओ सी प्राप्त करने और इसके लिये जरूरी औपचारिक्ताओं की तथा प्रोविजनल, टेम्परेरी एवं परमानेंट फायर एनओसी के प्रावधानों की जानकारी दी गई ।

यशभारत की बात कड़वी लगी साहब.. माफ करना

क्या करें सच तो लिखना पड़ता है

नीरज उपाध्याय

न्यू लाइफमल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल अग्नि हादसे को लेकर यशभारत लगातार ऐसी तथ्यात्मक खबरें प्रकाशित कर रहा है जिससे साहबों को बुरा लग रहा है। सही भी कोई तुम्हारी बुराई करें, तुम्हारे अवगुण बताए तो आप उसे अच्छा थोड़ी कहोगे। लेकिन हम मजबूर साहब... क्या करें... पत्रकार जो ठहरे। सच तो लिखना ही पड़ेगा, फिर नतीजा जो हो। यशभारत ने प्रमुखता से अग्नि हादसे की खबरें अपने सभी मीडिया प्लेटफार्म पर चलाई। जिन्होंने अच्छा काम किया उनको सेल्यूट किया और जो अपने कर्तव्यों से भटके और काम के प्रति लापरवाह नजर आए उन्हें सही रास्ता दिखाया। नतीजा ये रहा है कि मध्यप्रदेश के मुखिया को जबलपुर के सभी विभाग प्रमुखों की वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित करनी पड़ी। सीएम की वीसी का मकसद यही था कि लापरवाह अधिकारियों को नसीहत दी जाए। हुआ भी वैसा सीएम ने सीएमएचओ और फायर सेफ्टी अधिकारी को निलंबित करने के आदेश दे दिया। सीएम कार्रवाई का मुख्य कारण यशभारत द्वारा लगातार प्रशासन की लचर व्यवस्था की पोल खोलना था। नगर निगम से लेकर स्वास्थ्य विभाग अफसरों काम का आइना दिखाया गया। दोनों विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते 8 बेकसूर लोग मारे गए। उनके घरों में मातम है, गांवों में सन्नाटा छाया हुआ है। इस हादसे में ऐसे लोगों की मौत हुई जिनके हाथ में 11 अगस्त रक्षाबंधन के मौके पर रक्षा का सूत्र बंधना था।

यशभारत कहिन

परिजन तो कह रहे फांसी दे दो

कभी न भूलने वाले खौफनाक हादसे में 8 परिवार के घरों में मातम है। पीड़ित और व्याकुल मृतक के परिवार रूंधे गले से गुनहगारों को फांसी देने की मांग कर रहे हैं।

ओएफके की भारी भरकम क्रेन सड़क पर पलटी

जबलपुर यशभारत। दोपहर करीब डेढ़ बजे के समय आयुध निर्माणी खमरिया की एक भारी भरकम क्रेन सड़क पर पलट गई।घटना में किसी प्रकार का कोई नुकसान हुआ कि नहीं पता नहीं चल पाया है।इतनी जानकारी मिली है कि क्रेन को निर्माणी का कर्मचारी नहीं अपितु ठेकेदार का मजदूर चला रहा था। बताया जाता है कि किसी काम के लिए क्रेन फैक्ट्री से बाहर आई थी। कार्य के बाद क्रेन को वापिस फैक्ट्री ले जाया जा रहा था तभी रास्ते में क्रेन किसी कारण से असंतुलित होकर पलट गई।क्रेन का उपयोग फैक्ट्री में भारी भरकम सामान उठाने के लिए किया जाता है।खबर मिलने के बाद फैक्टरी से रेस्क्यू टीम मौके पर रवाना हो गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085
डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)